हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 173 बेमेतरा, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

तीन अलग-अलग हादसों में यूपी में 6 लोगों की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रहीमाबाद थाना क्षेत्र में हुई एक दर्दनाक रेल दुर्घटना में दो युवतियों की जान चली गई। दोनों युवतियां ट्रेन की चपेट में आकर मारी गईं। मृतकों की पहचान नीतू (23) और शशी (20) के रूप में हुई। दोनों युवतियां मनकौटी गांव की निवासी थीं और घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। नेवढ़िया थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। बाइक खड़े ट्रक से टकराई, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह तीनों युवक वाराणसी जिले के फूलपुर से एक शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। मृतकों की पहचान कैलाश पटेल (39) और अरुण पटेल (29) के रूप में हुई है।

दिल्ली में एक और हादसा, अब रोहिणी में खुले मैनहोल में गिरने से युवक की मौत

नईदिल्ली। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में विभागीय लापरवाही से हादसों का सिलसिला जारी है। नोएडा और जनकपुरी के बाद रोहिणी में भी एक युवक की खुले मैनहोल में गिरने से मौत हो गई है। हादसा बेगमपुर थाना क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-32 में महाशक्ति काली मंदिर के पास हुआ है। मृतक बिहार के समस्तीपुर निवासी बिरजू कुमार बताया जा रहा है, जो मजदूरी का काम करता था। घटना ने एक बार फिर लापरवाही को उजागर किया है। बताय जा रहा है कि बिरजू अपने दोस्त के साथ मजदूरी करके मंगलवार देर शाम को लौट रहा था। घटना के समय दोनों नशे की हालत में थे। तभी बिरजू खुले का संतुलन बिगड़ गया और वह मैनहोल में गिर गया। हालांकि, इसका पता उसके दोस्त को काफी देर बाद चला और उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मैनहोल के पास चप्पल की पहचान से युवक की पहचान हुई। उसको बचाने का प्रयास असफल रहा।

पश्चिमी विक्षोभ से फिर बिगड़ेगा मौसम, तेज हवाओं के साथ बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

नईदिल्ली। फरवरी के दूसरे सप्ताह में ही कई राज्यों में मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। हालांकि, सुबह-शाम के वक्त के ठंड का असर बरकरार है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 13 और 16-17 फरवरी के दौरान 3 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेंगे। इनके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित 6 राज्यों में बर्फबारी और बारिश की संभावना है। इस दौरान कुछ इलाकों में बिजली गिरने और 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। उत्तर प्रदेश में आज सुबह कुछ जगह हल्का कोहरा रह सकता है और न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में आईटी की छापेमारी

फीलग्रुप-तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आईटी का छापा

बिलासपुर/ संवाददाता

बिलासपुर शहर में आयकर विभाग ने गुरुवार को कोल व्यापारी और फील ग्रुप के मालिक प्रवीण झा के कई ठिकानों पर एक साथ बड़ी दबिश दी। आयकर विभाग की एक बड़ी टीम शहर पहुंची, जिसने प्रवीण झा के आवास, कार्यालयों और फैक्ट्रियों में सघन जांच शुरू की। एसआईआर सर्वे टीम के स्टीकर लगी गाड़ियों से पहुंची आयकर अधिकारियों ने करीब घंटे भर से अधिक समय से दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगालने का काम जारी रखा। इस कार्रवाई को लेकर विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आयकर विभाग की टीम ने सुबह से ही शहर के विभिन्न इलाकों में स्थित फील ग्रुप के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। प्रवीण झा, जो इस ग्रुप के प्रमुख हैं, के घर और दफ्तरों पर एक साथ कई टीमों ने पहुंचकर जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और कर चोरी के आरोपों के चलते की गई है। अधिकारियों द्वारा जब्त किए जा रहे दस्तावेजों में कंपनी के पिछले कई वर्षों के वित्तीय रिकॉर्ड, निवेश, और अन्य महत्वपूर्ण कागजात शामिल हैं। इस दौरान, किसी भी प्रकार की जानकारी लीक न हो, इसके लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस प्रकार की आयकर छापों का मुख्य उद्देश्य कर चोरी को रोकना और वित्तीय पारदर्शिता

को बढ़ावा देना होता है। विभाग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी व्यवसाय और व्यक्ति निर्धारित कर नियमों का पालन करें। फील ग्रुप जैसे बड़े व्यावसायिक घराने पर हुई इस कार्रवाई से निश्चित रूप से अन्य व्यवसायों में भी सतर्कता बढ़ेगी। प्राप्त जानकारी के आधार पर, यदि जांच में अनियमितताएं पाई जाती हैं, तो विभाग प्रवीण झा और फील ग्रुप के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई कर सकता है, जिसमें भारी जुर्माना या अन्य दंड शामिल हो सकते हैं। कार्यवाही अभी जारी है और इसके पूर्ण होने पर ही विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है। जांजगीर-चांपा के चांपा-बिर्रा मार्ग पर स्थित तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आयकर विभाग ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। आयकर विभाग की टीम ने कोयला व्यापारी अंशुमान मुरारका के दफ्तर में सुबह से ही दबिश दी हुई है। इस दौरान कार्यालय के भीतर अधिकारियों की टीम दस्तावेजों और लेन-देन की गहन जांच में जुटी हुई है। तिरुपति मिनरल्स के प्रोप्राइटर अंशुमान मुरारका कोयला व्यवसाय से जुड़े हैं। आयकर विभाग की टीम उनके आय-व्यय और खातों की पड़ताल कर रही है। यह कार्रवाई कब तक चलेगी, इस बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

पीएम मोदी और शाह ने बीजेपी में शामिल होने का बनाया था दबाव: भूपेश बघेल का दावा-मना करने पर पड़े थे छापे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के एक दावे से छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है। दरअसल, देश के सीनियर वकील कपिल सिब्बल के पॉडकास्ट में एक बड़ा दावा किया गया है। बघेल के दावे के मुताबिक, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने न्योता देकर दिल्ली बुलाया था । इशारे- इशारे में ही बीजेपी में शामिल होने का दबाव बनाया जाता था पर उनके द्वारा आश्वासन नहीं दिए जाने पर और दिल्ली से उनके वापसी होने के कुछ ही दिनों बाद उनके परिजनों और करीबियों के यहां केंद्रीय एजेंसियों के छापे पड़े थे। सांसद और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने अपने पॉडकास्ट में पूर्व सीएम बघेल का साक्षात्कार लिया है। साक्षात्कार में बघेल ने कई सनसनीखेज दावे किए हैं। उनके अनुसार उन्हें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चर्चा के लिए दिल्ली बुलाया था।

पुण में बंगाली मजदूर की हत्या

ममता बनर्जी बोलीं-यह एक घृणा अपराध है......

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में काम कर रहे पुरुलिया के 24 वर्षीय प्रवासी मजदूर सुखेन महतो की हत्या पर गहरा सदमा और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को घृणा अपराध बताते हुए आरोप लगाया कि पीड़ित को उसकी भाषा और पहचान के कारण निशाना बनाया गया था और ऐसे हमलों के लिए बढ़ते विदेशी-विरोधी माहौल को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, विदेशी-विरोधी भावना को हथियार बनाकर निर्दोष

लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। पोस्ट में लिखा कि मैं दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग करता हूं। सुखेन के परिवार से मैं कहना चाहता हूं कि इस असहनीय दुख की घड़ी में बंगाल उनके साथ खड़ा है।

आसाराम की राह पर उत्तम स्वामी!

ईश्वर की इच्छा बताकर उत्तम स्वामी ने किया यौन शोषण......पीड़िता ने पुलिस से मांगी 24/7 सुरक्षा

नई दिल्ली। आध्यात्मिक जगत से एक बार फिर एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने देश को झकझोर कर रख दिया है। प्रसिद्ध कथाकार और तांत्रिक उत्तम स्वामी, जिनके देश भर में लाखों अनुयाई और करोड़ों के संसाधन हैं, अब दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। एक युवती ने लिखित आवेदन के जरिए यह खुलासा किया है कि उत्तम स्वामी ने धर्म और आस्था के नाम पर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने विभिन्न स्थानों पर ले जाकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया और उसके साथ धोखाधड़ी व विश्वासघात भी किया गया है। यह मामला तब और भी गंभीर हो जाता है जब जानकारी सामने आई कि पीड़िता का दैहिक शोषण तब से शुरू हुआ जब वह महज एक बच्ची थी। पीड़िता ने 12 फरवरी 2026 को उप पुलिस आयुक्त को एक औपचारिक पत्र लिखकर अपनी सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है। पत्र में पीड़िता ने बताया है कि वह वर्तमान में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कराना चाहती है। पीड़िता का आरोप है

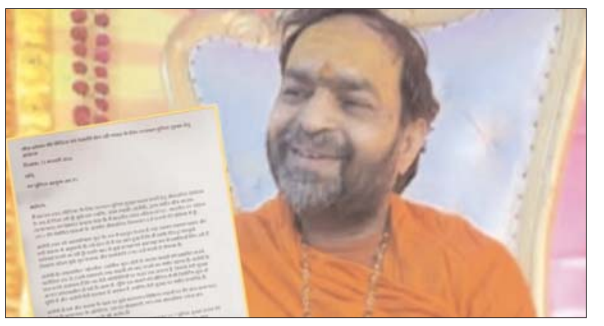

कि जैसे ही उत्तम स्वामी को कानूनी कार्रवाई की भनक लगी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से धमकियां मिलने लगी हैं। आरोपी के पास व्यापक संसाधन और बड़ी संख्या में अनुयायी होने के कारण पीड़िता ने अपनी जान को संवेदनशील बताते हुए 24/7 पुलिस सुरक्षा की मांग की है। पीड़िता ने पत्र में यह भी आशंका जताई है कि आरोपी एक प्रभावशाली गॉडमैन है, जो गवाहों को प्रभावित कर सकता है और उसके खिलाफ मौजूद साक्ष्यों को नष्ट करने की क्षमता रखता है। चूंकि इस मामले की मीडिया में रिपोर्टिंग शुरू हो चुकी है, इसलिए पीड़िता ने पुलिस से अपनी पहचान और वर्तमान पता गोपनीय रखने का भी विशेष निवेदन किया है। खबरों के मुताबिक, आरोपी फिलहाल जबलपुर में कथा कर रहे हैं, जबकि उनके अनुयायियों में कई रसूखदार लोग भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि आरोपी ने कथित तौर पर इन कृत्यों को ईश्वर की इच्छा बताकर खुद का बचाव करने की कोशिश की है।

4 देशों में सर्कुलेट हुई कॉपी

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे की किताब लीक कांड में विदेशी साजिश....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब के कथित सर्कुलेशन को लेकर जांच तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से जुड़े सूत्रों के मुताबिक शुरुआती जांच में सुनियोजित साजिश के संकेत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि किताब का सर्कुलेशन कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के अलावा जर्मनी और अमेरिका में भी हुआ। सूत्रों का कहना है कि नरवणे की किताब को रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य क्लीयरेंस प्रक्रिया को कथित रूप

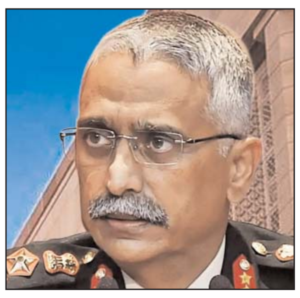

से दरकिनार कर योजनाबद्ध तरीके से लीक किया गया। मामले की जांच अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है और स्पेशल सेल इसकी तह तक जाने में जुटी है। स्पेशल सेल ने आपराधिक साजिश से जुड़ी विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। जांच का दायरा अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तक बढ़ाया गया है। पुलिस डिजिटल ट्रेल, पब्लिशिंग नेटवर्क और संभावित अंतरराष्ट्रीय लिंक की भी जांच कर रही है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किताब की पांडुलिपि मैन्युस्क्रिप्ट आधिकारिक प्रकाशन से पहले सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पीडीएफ के रूप में कैसे प्रसारित हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच का मुख्य फोकस यह है।

सुनील जाखड़ का आरोप- मोगा में प्रवासी मजदूरों को साजिश के तहत टारगेट किया गया

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने मोगा जिले में प्रवासी मजदूरों पर हुए हमले की घटना की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोगा में बाहर से आए मजदूरों को साजिश के तहत टारगेट किया गया। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पहले पंजाब में बिजनेसमैन को टारगेट किया जा रहा था, जिसकी वजह से यहां कोई नई इंडस्ट्री आने को तैयार नहीं हो रही थी। अब मोगा में बाहर से आए मजदूरों को साजिश के तहत टारगेट करने की घटना हुई है। यह बहुत निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पिछले कुछ समय से इस विषय पर समाज में जहर फैला रहे हैं।

भारत की सबसे बड़ी रक्षा डील को डीएसी ने दी मंजूरी

खरीदे जाएंगे 114 नए राफेलजेट और 6पी-8आई एयरक्राफ्ट-सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत की सैन्य ताकत को और मजबूती मिलने जा रही है। रक्षा मंत्रालय की डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। साथ ही भारतीय नौसेना के लिए 6 अतिरिक्त 6पी-8आई समुद्री टोही विमान खरीदने को भी हरी झंडी मिल गई है। यह फैसला रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डीएसी बैठक में लिया गया। अब इस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी

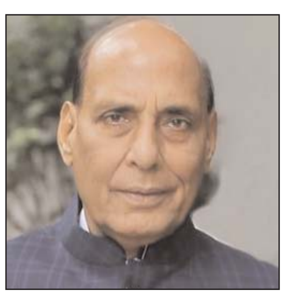

ऑन सिक्योरिटी की अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की यह डील भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रक्षा खरीद में से एक मानी जा रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से ठीक पहले इस फैसले को दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में लगभग 29 स्क्वाड्रन हैं, जबकि जरूरत 42 की मानी जाती है। पुराने विमानों के रिटायर होने के कारण आधुनिक फाइटर जेट्स की तत्काल आवश्यकता थी। इस डील से स्क्वाड्रन संख्या बढ़कर लगभग 35-36 तक पहुंच सकती है। 18 राफेल विमान सीधे 'फ्लाई-अवे कंडीशन' में फ्रांस से मिलेंगे। बाकी 96 विमान भारत में बनाए जाएंगे। स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी शुरुआत में 30त्न और बाद में 60त्न से अधिक हो सकती है।

तो कभी भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे राहुल गांधी!

सदन में सदस्यता रद्द करने और आजीवन चुनाव पर बैन का प्रस्ताव

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया भाषण को लेकर राजनीतिक विवाद सातवें आसमान पर पहुंच गया है। हालांकि अब यह भी साफहो गया है कि राहुल गांधी के सामने से एक बड़ी मुसीबत टल गई है। इसका बड़ा कारण है कि राहुल गांधी के खिलाफ सरकार विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव नहीं लाएगी, लेकिन गौर करने वाली बात यह भी है कि यह मामला अभी तक पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को राहुल गांधी के द्वारा लोकसभा में दिए गए भाषण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के इरादे में नहीं है। हालांकि, बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने कल लोकसभा में जो भाषण दिया था, उसमें कही गई कुछ बातें और आरोप प्रमाणित नहीं थे। ऐसे में संभावना इस बात की तेज हो गई है कि राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए भाषण के कुछ अंश सदन की कार्यवाही से हटाए जा सकते हैं। भाजपा राहुल के भाषण कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जता रही है। पार्टी के चीफव्हिप संजय जायसवाल ने बजट चर्चा के दौरान राहुल गांधी द्वारा कही गई कुछ बातों को लोकसभा की कार्यवाही से हटाने का औपचारिक नोटिस दिया है। भाजपा का कहना है कि उनके कुछ बयान आपत्तिजनक और

तथ्यों से परे हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफएक अलग मूल प्रस्ताव दायर किया है। यह सामान्य नोटिस से अलग प्रक्रिया होती है। अगर लोकसभा अध्यक्ष इसे स्वीकार करते हैं, तो इस पर सदन में चर्चा और मतदान हो सकता है। ऐसे में प्रस्ताव पारित होने पर राहुल गांधी की संसद सदस्यता जा सकती है। बता दें कि इस पूरे मामले में निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर मांग की है कि राहुल गांधी के कथित 'अनैतिक आचरण' की जांच के लिए एक संसदीय समिति बनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने पर विचार किया जाए। दुबे का आरोप है कि राहुल गांधी ने संसद के अंदर और बाहर ऐसे बयान दिए हैं, जिससे देश की एकता और संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने दावा किया कि 11 फरवरी के भाषण में राहुल ने पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित किताब का गलत संदर्भ देकर सेना, रक्षा मंत्रालय और प्रधानमंत्री की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। दुबे ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी कई मंत्रालयों पर बिना सबूत के आरोप लगाते हैं। साथ ही उनकी विदेश यात्राओं और फंडिंग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। पत्र में इन मामलों की जांच की मांग की गई है। गौरतलब है कि इस पूरे मामले पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है।

वित्त मंत्री के जवाब के बाद कांग्रेस ने किया बचाव

निर्मला सीतारमण ने राहुल के आरोपों का जवाब देते हुए 2013 के डब्ल्यूटीओ एग्रीमेंट की याद दिलाई, जिसे कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने किया था। उन्होंने तर्क दिया कि उस समय किसानों के हितों को गिरवी रखा गया था, जिसे 2017 में पीएम मोदी ने सुधारा। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें से चौथे नंबर पर पहुँच गई है और राहुल के आरोप देश की उपलब्धियों को कमतर दिखाते हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि उन पर इन मुकदमों या प्रस्तावों का कोई असर नहीं होने वाला है। उन्होंने व्यापार समझौते पर राहुल की चिंताओं को दोहराते हुए कहा कि पूरी लेबर यूनियन हड़ताल पर है और कांग्रेस किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए उनके साथ खड़ी है।

छत्तीसगढ़ के पहली यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त छात्रा साक्षी जायसवाल को शिक्षा मंत्री ने सम्मानित किया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के पहली युवा यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड प्राप्त छात्रा साक्षी जायसवाल जिसके पिता जिले के ही डी ए वी स्कूल जांता के प्राचार्य पद पर पदस्थ हैं। सुपुत्री साक्षी जायसवाल छत्तीसगढ़ के पहली बालिका बॉल वैज्ञानिक हैं जिन्होने अब तक अनेक अवॉर्ड प्राप्त कर चूंकि हैं, अब तक उन्हें भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय पी एम ओ , तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री,बिहार के मंत्री, उत्तर प्रदेश के मंत्री, व दिल्ली के मंत्री व चेन्नई के राज्य पाल ने चेन्नई के राजभवन में सर्टिफिकेट ,मोमेंटो से सम्मानित हो चुकी हैं।. नेशनल स्पेश डे, के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ से मात्र एक बालिका वैज्ञानिक छात्रा साक्षी जायसवाल यंग साइंटिस्ट इंडिया के ग्रैंड फिनाले में भाग लेकर, 23 अगस्त 2023 एवं 23 अगस्त 2024 एवं 23 अगस्त 2025 के लगातार तीन वर्ष तक चयनित होकर, बतौर बाल वैज्ञानिक बनकर पहुँची थी जिन्हें चेन्नई के राज भवन में प्रधानमंत्री जी के सलाहकार एवं चेन्नई के राज्यपाल टी एन रवि जी ने पहले बालिका युवा वैज्ञानिक से सम्मानित किए हैं। एवं लेफ्टिनेंट जनरल बी एस खण्डारे दिल्ली, रूसी व कजाकिस्तानी के अंतरिक्ष यात्री, नासा व इसरो सहित देश व विदेश से आये अनेक वैज्ञानिकों ने साक्षी जायसवाल को यंग साइंटिस्ट इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित कर चुके हैं।. शीर्षकः प्रकाश का उपयोग करके डेटा स्थानांतरण हेतु वायरलेस संचार तकनीक का आविष्कार करने वाले भारत कर पहले कम उम्र के बालिका बाल वैज्ञानिक का वर्ड रिकॉर्ड गोलडन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाई हूँ मैं 12 वर्ष 19 दिन मात्र। . अखिल भारतीय कलाल, कलवार, कलार महासभा नई दिल्ली द्वारा कलचुरी गौरव रत्न 2025 से अलंकृत किया गया हैं।

माननीय शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव जी ने साक्षी जायसवाल को अपने कर कमलों से गोल्ड मैडल व युवा वैज्ञानिक गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट से साक्षी को सम्मानित किए हैं , शिक्षा मंत्री जी ने साक्षी छत्तीसगढ़ के पहली बालिका बाल वैज्ञानिक बनने पर उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दिए हैं, साक्षी ने गोल्डन बुल ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड महज 12 वर्ष 19 दिन में यह रिकॉर्ड बनाई है, मंत्री ने साक्षी के सराहना किए साक्षी जायसवाल ऐसे बालिका बाल वैज्ञानिक है उनसे प्रेरणा लेकर हमारे अन्य बच्चे भी वैज्ञानिक प्रतिभा को निखार पाएंगे साक्षी जायसवाल वैज्ञानिक बेटी ने निश्चित ही बेमेतरा जिले के साथ -साथ हमारे छत्तीसगढ़ राज्य व देश का नाम भी नाम रौशन कर रही हैं।

घुघरी में अन्नप्राशन संस्कार में जुटा कांग्रेस परिवार, नेताओं ने दिया आशीर्वाद

शंकरगढ़ /मूक पत्रिका

विकासखंड शंकरगढ़ अंतर्गत ग्राम घुघरी में आयोजित अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम में कांग्रेस परिवार बड़ी संख्या में जुटा। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने शामिल होकर सरपंच सुनील पैकरा के नन्हे बालक को आशीर्वाद प्रदान किया तथा परिवार को शुभकामनाएं दी कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष के.पी. सिंह देव, भूतपूर्व सामरी विधायक महेश्वर पैकरा, पूर्व सामरी एवं लुण्ड्रा विधायक प्रीतम राम, कुसमी नगर अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत, शंकरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष विजय पैकरा, शंकरगढ़ जनपद सदस्य विवेक सिंह देव (बाबा), कुसमी जनपद सदस्य देवधन भगत, कुसमी नगर के पूर्व अध्यक्ष विनोद राम, एवं गोवर्धन राम, वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व नगर उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू तिर्की, वरिष्ठ कांग्रेसी उम्मत रसूल, पार्षद पति धीरजन राम, पूर्व मंडी अध्यक्ष बालेश्वर राम, युवा विधानसभा उपाध्यक्ष मुदस्सिर इराकी, पूर्व युवा कांग्रेस जिला सचिव सद्दाम खान, कांग्रेस समर्थक जफर रहमानी, तथा भूलसी सरपंच राजेश एक्का सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बालक के स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे पूरा आयोजन पारिवारिक एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक बन गया।

समावेशी शिक्षा के तहत जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

80 दिव्यांग विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह, प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, रायपुर के निर्देशानुसार समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में निहित प्रतिभा को निखारने, उन्हें सम्मान प्रदान करने तथा उनकी क्षमताओं को उचित मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 फरवरी 2026 को शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, वार्ड क्रमांक 21 बेमेतरा में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के कुल 80 दिव्यांग विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों के लिए उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अस्थि बाधित बच्चों के लिए 100 मीटर दौड़ एवं कुर्सी दौड़, श्रवण बाधित बच्चों के लिए गोला फेंक एवं 100 मीटर दौड़, दृष्टि बाधित बच्चों के लिए निर्धारित ध्वनि लक्ष्य की ओर 25 मीटर दौड़ तथा मिश्रित मोतियों को अलग करने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए 50 मीटर दौड़ एवं सॉफ्ट बॉल थ्रो जैसे खेल कराए गए।

प्रतियोगिता के पश्चात प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार देकर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया गया।कार्यक्रम के सफल संचालन में जिले की समावेशी शिक्षा प्रभारी श्रीमती रेणुका चौबे, विकासखंड स्तर के ब्क्रक (ढ्ढश्वष्ठ) एवं व्यायाम शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा अधिकारी गेंदराम चतुर्वेदी, जिला मिशन समन्वयक राज कुमार वर्मा, खेमराज साहू (एपीसी), प्रोग्रामर नेहिल वर्मा, समावेशी शिक्षा प्रभारी श्रीमती रेणुका चौबे सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यह आयोजन समावेशी शिक्षा की भावना को सशक्त करते हुए समाज में समान अवसर और सहभागिता के संदेश को आगे बढ़ाने का प्रेरक प्रयास सिद्ध हुआ।

सिंघौरी मिडिल स्कूल में प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नत हुई सरस्वती साहू

प्रधानपाठक पद पर नियुक्ति होने पर स्टॉफद्वारा किया गया आत्मीय स्वागत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षिका सरस्वती साहू की प्रधान पाठक के पद पर सिंघौरी स्कूल में पदोन्नत हुआ।बता दे सरस्वती साहू 5 सितम्बर 2001 से प्राथमिक शाला सिंघौरी में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।ततपश्चात उन्हें 8 सितम्बर 2008 को मिडिल स्कूल सिंघौरी में उच्च वर्ग शिक्षक के रूप में प्रमोशन मिला।जो आज पर्यन्त तक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।संयुक्त संचालक दुर्ग के आदेशानुसार उन्हें प्रधान पाठक के रूप में पुनः सिंघौरी स्कूल पदांकन किया गया।इस प्रकार सरस्वती साहू विगत 25 वर्षो से सिंघौरी स्कूल में अपनी शिक्षकीय सेवाएं दे रही है। प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नत होने के पश्चात सरस्वती साहु ने बताया कि मेरे 25 वर्षो की शिक्षकीय कार्यो पर सिंघौरीवाशियों का अपार प्रेम और सहयोग मिला।संस्था की ओर से धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक सहित रामगोपाल चंद्राकर, शशिकला यादव,प्रतिभा, देवेंद्र साहू,नुतेश्वर चंद्राकर,सरिता बंजारे, प्रशांत बघेल,पूनम साहू,राजेश गायकवाड़,किरण खरे एंव साजन वर्मा ने बधाई दी।

दुर्ग क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ याचिकाओं पर जन-सुनवाई आयोजित

वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 हेतु बिजली दर निर्धारण पर आमजन से मांगे जाएंगे सुझाव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 तक की अवधि के लिए बिजली दर (टैरिफ) निर्धारण एवं राजस्व आवश्यकताओं से संबंधित याचिकाओं पर जन-सुनवाई आयोजित की जा रही है। यह जन-सुनवाई दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों के उपभोक्ताओं के लिए आयोजित की जाएगी। आयोग द्वारा पहली बार राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु क्षेत्रवार ऑनलाइन जन-सुनवाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ता अपनी बात रख सकें। राज्य की बिजली कंपनियों–उत्पादन, पारेषण, वितरण एवं लोड डिस्पैच सेंटर–द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर आम नागरिक, किसान, उद्योगपति तथा विभिन्न संगठनों को अपने सुझाव एवं आपत्तियाँ दर्ज कराने का अवसर दिया जा रहा है।

दुग क्षेत्र के लिए ऑनलाइन जन-सुनवाई

दुर्ग क्षेत्र के उपभोक्ता आयोग के रायपुर कार्यालय से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ सकते हैं। इसके लिए उन्हें 17 फरवरी 2026, प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रायपुर नाका, दुर्ग स्थित मुख्य अभियंता/कार्यपालक निदेशक कार्यालय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग में उपस्थित होना होगा। यह सुविधा उन उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो सीधे रायपुर नहीं जा सकते लेकिन अपनी राय आयोग तक पहुंचाना चाहते हैं।

रायपुर में प्रत्यक्ष जन-सुनवाई का कार्यक्रम

जो उपभोक्ता आयोग के रायपुर कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करना चाहते हैं, उनके लिए निम्नानुसार तिथियां एवं समय निर्धारित किए गए हैं–19 फरवरी 2026 (गुरुवार): दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक क्क कृषि एवं कृषि संबंधी कार्य, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक क्क घरेलू उपभोक्ता, सायं 04:00 से 05:30 बजे तक क्क गैर-घरेलू उपभोक्ता, 20 फरवरी 2026 (शुक्रवार): दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक स्थानीय निकाय, नगर निगम एवं ट्रेड यूनियन, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक क्क निम्न दाब (एलटी) उद्योग, सायं 04:00 से 05:30 बजे तक क्क उच्च दाब (एचटी) उद्योग

वेबसाइट पर उपलब्ध है विस्तृत जानकारी

बिजली कंपनियों द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं का विस्तृत विवरण आयोग की आधिकारिक वेबसाइट 222.ष्ह्यद्गह्म्.द्दश1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है। इच्छुक उपभोक्ता वहां से आवश्यक दस्तावेजों का अवलोकन कर सकते हैं।दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के सभी सम्मानित उपभोक्ताओं, किसानों, उद्योगपतियों एवं विभिन्न संगठनों से अपील की गई है कि वे इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में भाग लेकर अपने सुझाव एवं आपत्तियाँ दर्ज कराएं, ताकि आगामी वर्षों के लिए बिजली दर निर्धारण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। यह जन-सुनवाई बिजली दरों को पारदर्शी एवं सहभागी प्रक्रिया के माध्यम से तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'विकास संकल्प के सारथी' मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में आरंग को मिल रही लगातार सौगात

2 कि.मी. आंतरिक मार्ग निर्माण हेतु 3.30 करोड़ से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति

आरंग/रायपुर/मूक पत्रिका

आरंग विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति निरंतर तेज होती जा रही है। सड़क, शिक्षा एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र में लगातार मिल रही स्वीकृतियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि क्षेत्र अब विकास के नए चरण में प्रवेश कर चुका है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला रायपुर के नरदहा मार्ग (लंबाई 2.00 कि.मी.) निर्माण कार्य हेतु ?3 करोड़ 30 लाख 78 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह महत्वपूर्ण स्वीकृति आरंग विधायक एवं प्रदेश सरकार में मंत्री विकास संकल्प के सारथी गुरु खुशवंत साहेब जी (कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग) के सतत प्रयासों, प्रभावी समन्वय और जनप्रतिबद्ध नेतृत्व का परिणाम है। सड़क नहीं, विकास की दिशा यह 2 किलोमीटर आंतरिक मार्ग निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा, कृषि उत्पादों के परिवहन में सहूलियत एवं स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा। विशेष रूप से वर्षा ऋतु में होने वाली समस्याओं से स्थायी समाधान मिलेगा। यह मार्ग क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने के साथ-साथ ग्रामीण जीवन को सुगम बनाएगा।आरंग का सर्वांगीण विकास ही हमारा ध्येय – मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि आरंग विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाना उनका संकल्प है। उन्होंने कहा– हमारा लक्ष्य केवल स्वीकृतियाँ प्राप्त करना नहीं, बल्कि विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कर जनता को वास्तविक लाभ पहुँचाना है। आरंग को प्रदेश के अग्रणी विकासशील क्षेत्रों में स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है। मंत्री जी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ,उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव तथा वृत्तमंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। लगातार मिल रही प्रशासनिक स्वीकृतियाँ इस बात का संकेत हैं कि विकास संकल्प के सारथी गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में आरंग विधानसभा क्षेत्र विकास की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है।

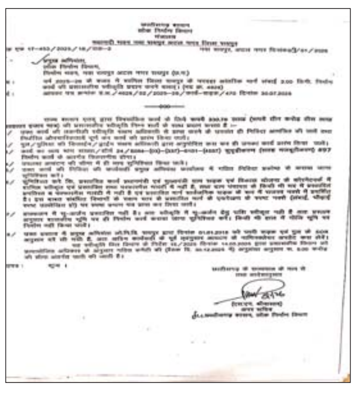

आरंग अब केवल विकास की बात नहीं करता–आरंग विकास को साकार होते देख रहा है।

नालसा योजनाओं एवं विधिक सहायता की जानकारी

लईवलीहुड कॉलेज चोरभट्टी में 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0' विषय पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास के मार्गदर्शन तथा श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में लईवलीहुड कॉलेज चोरभट्टी में ''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन एवं विद्यार्थियों को मध्यस्थता की प्रक्रिया, उसके लाभ तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करना था।

मध्यस्थता की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी

शिविर में अधिकार मित्र पंकज घृतलहरे, धरमू बारले एवं तरूण आनंद द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को बताया गया कि मध्यस्थता न्यायालयीन प्रक्रिया से भिन्न एक वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली है। इसमें एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर उन्हें आपसी सहमति से समाधान तक पहुँचने में सहयोग करता है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया लचीली, सरल एवं कानूनी जटिलताओं से मुक्त होती है, जिससे आपसी मतभेद कम होते हैं और सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाधान संभव होता है।अधिकार मित्रों ने बताया कि मध्यस्थता से बहोत से लाभ प्राप्त होते हैं जैसे रिश्तों में आई दरार को सुधारने और संबंधों को पुनः स्थापित करने का अवसर मिलता है। पक्ष स्वयं अपने निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। हिंसा, घृणा एवं तनाव से दूर रहकर सभ्य एवं संवादात्मक समाधान संभव होता है।ह प्रक्रिया मुकदमे का विचारण नहीं करती और न ही गुण-दोष पर निर्णय देती है। न्यायिक प्रक्रिया की तुलना में यह कम खर्चीली है। सफलता की संभावना अधिक होती है तथा यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी सिद्ध होती है। पक्षों को एक-दूसरे की बात सुनने और भावनाओं को समझने का अवसर मिलता है। कुछ घंटों या दिनों में समाधान संभव है, जिससे समय की बचत होती है। समझौते से मानसिक शांति प्राप्त होती है। मध्यस्थता से निराकृत प्रकरणों में न्याय शुल्क की छूट भी प्रदान की जाती है। शिविर में बताया गया कि मध्यस्थता के माध्यम से निम्नलिखित प्रकार के विवादों का समाधान संभव है दुर्घटना दावा प्रकरण, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस प्रकरण, वाणिज्यिक विवाद, सर्विस मैटर, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली प्रकरण, विभाजन एवं बेदखली संबंधी मामले, भूमि अधिग्रहण प्रकरण।

नालसा योजनाओं एवं विधिक सहायता की जानकारी

कार्यक्रम में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ह्वरू) की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। नालसा टोल फ्री नंबर 15100 एवं सालसा मोबाइल नंबर 9340062331 के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की जानकारी साझा की गई। साथ ही पॉक्सो अधिनियम 2012, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता, आशा अभियान 2025 के अंतर्गत बाल विवाह को अपराध के रूप में रोकथाम, तथा साइबर अपराध में डिजिटल अरेस्ट एवं मनी म्यूल्स से संबंधित सावधानियों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों में विधिक जागरूकता बढ़ाने तथा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का संदेश दिया गया।

परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के निर्देशानुसार हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 20 फरवरी से 13 मार्च 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 09:00 बजे से 12:15 बजे तक जिले के 77 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय एवं महाविद्यालयीन परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2026 में प्रस्तावित हैं।परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा 12 फरवरी से 31 मई 2026 तक बेमेतरा जिला सीमा क्षेत्र में तीव्र संगीत, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग, अनावश्यक कोलाहल एवं मोटरयान के विद्युत हार्न के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के तहत प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर रोक रहेगी, जबकि रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।विशेष परिस्थितियों में संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी की अनुमति से धीमी आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जा सकेगा। आदेश जारी होते ही प्रभावशील होगा तथा इसकी सूचना सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित एवं प्रकाशित की जाएगी।

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का भव्य स्वागत, डी.ए.वी. संस्थान के कार्यों की सराहना

बेमेतरा/मूक पत्रिका

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में बीते दिवस शिक्षा के क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर देखने को मिला, जब प्रदेश के कैबिनेट शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव का डी ए वी जांता विद्यालय परिसर में आगमन हुआ। उनके आगमन पर विद्यालय परिवार द्वारा पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत-अभिनंदन से हुई, जहाँ विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पुष्पगुच्छ, श्री फल, साल भेंट कर शिक्षा मंत्री का सम्मान किया गया। इसके पश्चात शासकीय हाई स्कूल जांता प्रांगण में भी उनका स्वागत किया गया, जहाँ पूरे क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों ने एकजुट होकर इस भव्य आयोजन को सफल बनाया।इस अवसर पर डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल,शास हाई स्कूल,मिडिल स्कूल एवं प्राथमिक स्कूल, छात्रावास जांता, के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया गया। सभी शिक्षण संस्थानों ने शिक्षा के प्रति अपनी एकजुटता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता के शैक्षणिक वातावरण, भौतिक सुविधाओं एवं शिक्षण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, शिक्षकों की मेहनत एवं अनुशासित वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में सी बी एस ई अंग्रेजी माध्यम के साथ व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना अत्यंत प्रशंसनीय कार्य है।

इसी क्रम में शिक्षा मंत्री ने डी.ए.वी. संस्थान छत्तीसगढ़ के प्रमुख रीजनल ऑफिसर प्रशांत कुमार जी के कुशल मार्गदर्शन में संचालित प्रदेश की सभी 72 मुख्यमंत्री स्कूलों के सुचारू रूप से संचालन की विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डी.ए.वी. संस्थान द्वारा मुख्यमंत्री स्कूलों को जिस गुणवत्ता, अनुशासन एवं समर्पण के साथ संचालित किया जा रहा है, वह राज्य की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दे रहा है। इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण डी ए वी जांता के उत्कृष्टता व छात्र-छात्रों के अनेक उपलब्धियां हैंकार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत, देशभक्ति व होली नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई, जिनकी शिक्षा मंत्री ने खुले मंच से सराहना की। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रतिभा को देखकर उन्होंने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल के मॉडल को अपनाते हुए प्रदेश के 150 विद्यालयों को सी.बी.एस.ई. पैटर्न पर विकसित किया जाएगा। यह निर्णय विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा।

इसी दौरान डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में प्रवेश उत्सव के अंतर्गत बनाए गए आकर्षक सेल्फी जोन में शिक्षा मंत्री ने फोटो खिंचवाया और इस नवाचार की सराहना की। विद्यालय ने जानकारी दी कि डी.ए.वी.संस्थान में नर्सरी से कक्षा 11 वीं तक प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का प्रवेश शीघ्र कराकर उन्हें गुणवत्तापूर्ण, अनुशासित एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान करें।

शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया, वहीं शिक्षकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने की अपेक्षा जताई।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्राचार्य पी एल जायसवाल एवं डी.ए.वी. संस्थान की ओर से शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को स्मृति-चिह्न भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। यह आयोजन जांता क्षेत्र के लिए शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच, प्रेरणा एवं विकास का संदेश देने वाला सिद्ध हुआ।

कलेक्टर डॉ संजय ने किया सरसीवा और भटगांव तहसील का निरीक्षण

कलेक्टर ने किसान से चर्चा कर राजस्व कार्यों के निराकरण का लिया जायजा

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सरसीवा और भटगांव तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लोक सेवा केंद्र, रिकॉर्ड रूम तथा नक्शा बंटांकन से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी ली और व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वहां आये किसान और अन्य नागरिकों से तहसील के कार्यों और सुविधाओं के संबंध में चर्चाकर राजस्व कार्यों के निराकरण का जायजा लिया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, तहसीलदार नीलिमा अग्रवाल और आयुष तिवारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किसानों के रबी फसल का किया अवलोकन

कलेक्टर ने कृषि अधिकारी को कृषि विभाग के योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए

लिमगांव में 44 किसान 65 एकड़ में कर रहे मूंगफली की खेती

रबी सीजन में मूंगफली की खेती, कम पानी में ज्यादा आमदनी

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम लिमगांव में किसानों ने रबी सीजन में परंपरागत धान की खेती छोड़कर मूंगफली की खेती की ओर रुख किया है। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे को सभी किसानों ने अपने फसल की जानकारी दी कि वे रबी सीजन में मूंगफली की खेती को प्राथमिकता दे रहे हैं। कलेक्टर ने पैदावर क्षेत्र का दौरा कर खेत में फसल का जमीनी हकीकत जाना और किसानों से विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने इस वर्ष सभी किसानों को सहसपुर में पंजीयन कराने के निर्देश दिए तथा वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर उमेश कुमार साहू एवं कृषि अधिकारी आशुतोष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा किसानों को बेहतर उत्पादन और आय वृद्धि के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

लिमगांव के किसान संतोष साहू ने जनवरी माह में 4 एकड़ में मूंगफली की बोनी की है। उन्होंने बताया कि मूंगफली की फसल लगभग 4 माह में तैयार हो जाती है और धान की तुलना में पानी की खपत भी काफी कम होती है। पिछले वर्ष उन्होंने धान की खेती की थी, लेकिन इस बार अधिक लाभ को देखते हुए चार एकड़ में मूंगफली लगाई है। मूंगफली की खेती में लागत कम और आमदनी ज्यादा होती है, जबकि धान की खेती में पानी की खपत अधिक होने के बावजूद मुनाफा कम मिलता है।

गांव में वर्तमान में कुल 44 किसान मूंगफली की खेती कर रहे हैं और 65 एकड़ से अधिक रकबे में इसकी फसल ली जा रही है। किसान नहर के पानी से सिंचाई कर रहे हैं। किसान रामलाल निषाद एवं दिलीप कुमार भी एक-एक एकड़ में मूंगफली की खेती कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि बदलते समय और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वैकल्पिक फसल के रूप में मूंगफली को अपनाया है।

विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा की लिख-लिखकर नियमित अभ्यास कर करें तैयारी : कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे

कलेक्टर ने सरसीवा के पीएमश्री स्कूल और निर्माणाधीन नए भवन का किया निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड के सरसीवा स्थित पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। स्कूल में कुल 33 शिक्षक पदस्थ हैं। कलेक्टर ने कहा कि जब विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हैं, तो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सभी कक्षा शिक्षकों की बैठक भी ली।कलेक्टर ने कक्षा 11वीं एवं 12वीं (साइंस एवं मैथ्स) के विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर वार्षिक परीक्षा के लिए उनके पढ़ाई की जानकारी ली। कक्षा 11वीं के फिजिक्स विषय में अब तक पढ़ाए गए टॉपिक्स के बारे में जानकारी लेकर विद्यार्थियों से छमाही परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बच्चों से उनके भविष्य के लक्ष्य भी पूछे और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसी प्रकार डॉ कन्नौजे ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों से कोर्स पूर्ण होने की जानकारी लेकर उन्हें 20 फरवरी से प्रारंभ होने वाले बोर्ड परीक्षा के लिए खूब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किये। बोर्ड परीक्षा को लेकर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से मोटिवेट करते हुए कहा कि जैसे वार्षिक उत्सव के लिए बार-बार डांस का अभ्यास किया जाता है, उसी प्रकार बोर्ड परीक्षा के लिए भी लिख-लिखकर नियमित अभ्यास करें, ताकि विषय अच्छी तरह याद रहे और परीक्षा के समय लिखने में कोई कठिनाई न हो। कलेक्टर ने विशेष रूप से 11वीं कक्षा के फिजिक्स शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के निर्देश दिए तथा सभी शिक्षकों को बेहतर परिणाम के लिए गंभीरता से पढ़ाई कराने को कहा। हिंदी माध्यम के शिक्षकों की अलग से बैठक लेकर शैक्षणिक व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालय के निर्माणाधीन नए भवन का भी निरीक्षण कर कार्य की प्रगति जानी। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, डीईओ जोइधा राम डहरिया, सरसीवा तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

13 फरवरी को बिलासपुर में संभागीय रोजगार मेला

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

शासकीय मॉडल आईटीआई कोनी बिलासपुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 13 फरवरी को भी किया जाएगा, जिसके पंजीयन और वेकेंसी के बारे में युवाओं को आईटीआई सारंगढ़, भटगांव और सरिया में दी गई। कंपनियों एवं वैकेंसी की विस्तृत जानकारी रोजगार विभाग के पोर्टल httpsÑ//erojgar.cg.gov.in (ईरोजगार सीजी डॉट जीओवी डॉट इन) एवं सीजी रोजगार पंजीयन ऐप से प्राप्त की जा सकती है।

सक्ति जिले में वन पर्यावरण संरक्षण का बना मज़ाक़, ज़िम्मेदार अधिकारी बने तमाशबीन, जिले में प्रतिदिन लाखों टन अर्जुन पेड़ों का कटाई परिवहन एवं आरामिलों पर चिराई

वन विभाग और पर्यावरण संरक्षण विभाग का हो रहा किरकिरी

सक्ती/मूक पत्रिका

नवीन जिला सक्ती में इन दिनों वन विभाग और पर्यावरण विभाग से जुड़े कई ऐसे मामले देखनों को मिल रहा हैं जिससे वर्तमान सरकार की सुशासित नीतियों को सवालों के कटघरे में खड़े कर रहा हैं। वन विभाग व पर्यावरण संरक्षण विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के कार्यशैली केंद्र सरकार एवं वर्तमान छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की छवि धूमिल करने में जिले में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। जिम्मेदार जिला अधिकारी के रवैए से ÷एक पेड़ माँ के नाम का÷ सक्ती जिले में मज़ाक़ बना हुआ हैं। जिले के जिम्मेदार अफ़सरों पर अब आम जनता व आमनागरिक का भरोसा टूटने लगा है। पर्यावरण का हनन करने वाले रसूखदारों एवं मिलरों के ऊपर किसी प्रकार कोई ठोस कार्यवाही ना होना इस बाद का सबूत दे रहा है की विभागीय अधिकारी किस हद तक अवैध कारोबारिओं के ऊपर मेहरबान है। जिले वासियों के जनमुख से अब तो यह भी आरोप लगने लगा है कि जिले में व्याप्त कमीशनखोरी व घूसखोरी अपने चरम सीमा को पार करने लगा है। बता दे जिले में अगर अधिकारियों का रवैया ऐसा ही रहा तो वो दिन दूर नहीं जब जिले के सभी गांव ब्लाकों में सिर्फ वीरान, बंजर ज़मीन ही दिखने को मिलेगा। दरअसल पूरा मामला सक्ती जिले के ग्राम पंचायत तुषार और जैजैपुर के आरा मिल का है जहाँ बड़े पैमाने पर अर्जुन पेड़ों की कथित अवैध कटाई कर भंडारण करने का मामला सामने आया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार सैकड़ों टन लकड़ी काटकर ग्राम तुषार और जैजैपुर स्थित आरा मिलों में भंडारण की जा रही है ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा है। मिले जानकारी के मुताबिक आरामिल को संचालित करने वाले लोग सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के करीबी माने जा रहे है। जिससे वन विभाग व पर्यावरण संरक्षण विभाग के अफ़सरों का कार्यवाही करने में पसीने छूट रहे है तो दूसरी तरफ़इसमें संबंधित विभाग के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत का भी जानकारी सामने आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अर्जुन पेड़ पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके संरक्षण के लिए सरकार द्वारा नियम निर्धारित किए गए हैं। इसके बावजूद खुलेआम कटाई और दिनदहाड़े धड़ल्ले परिवहन कर भंडारण किया जाना कई गंभीर सवाल को खड़े कर रहा है। आरोप है कि आरा मिल संचालकों द्वारा कुछ अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर इस अवैध भंडारण के गतिविधि को सरेआम अंजाम दिया जा रहा है, जिससे शासन और राजस्व को भारी हानि और पर्यावरण क्को नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, दिन-रात ट्रैक्टरों के माध्यम से लकड़ी का परिवहन जारी है, लेकिन जिम्मेदार स्थानीय अधिकारी व विभागीय अफ़सर द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र का हरित आवरण गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है।

पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि अवैध कटाई और भ्रष्टाचार के आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित आरा मिल संचालकों एवं दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। अब देखना यह होगा कि मामला समाचार पत्रों में महत्वपूर्ण रूप से प्रकाशित होने पर प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और क्या जांच के बाद दोषियों पर प्रभावी कार्रवाई होती है।

रसूखदार कॉलोनाइजर के द्वारा धड़ल्ले से चल रहा है अवैध कब्जे का खेल

प्रशासन का मौन आखिर रसूखदार कॉलोनाइजर पर कार्यवाही करेगा कौन

रायगढ/मूक पत्रिका

मामला विजयपुर महर्षि स्कूल रोड श्री साई लोटस कॉलोनी के नाम से विकसित किया जा रहा है रसूखदार कॉलोनाइजर के द्वारा अवैध रूप मरघट्टी पारा के रहवासियो के निकासी की नाली को बंद कर दिया गया फिर एक रहवासी का घर भी फोड़ दिया गया मरघट्टीपारा के तीनों तरफ से मिट्टी पाट दिया गया है ताकि बरसात के दिनों में वहां के रह वासियों के घर में सीधा पानी घुसे व थक हार के वहां के रहवासी अपना मकान छोड़कर चले जाये फिर रसूखदार कॉलोनाइजर द्वारा उक्त जमीन को अपने कब्जे में लिया जा सकेगा कॉलोनाइजर के द्वारा षड्यंत्र पूर्ण मिट्टी पाटने का कार्य जोरों शोरों से किया जा रहा है विडंबना यह है कि ऐसे कॉलोनाइजरों के ऊपर कार्यवाही की गाज कब गिरेगी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफकार्रवाई में देरी के पीछे मुख्य कारण प्रशासन की सुस्ती, राजनेताओं और भू-माफियाओं का गठजोड़, वोट बैंक की राजनीति और लंबी कानूनी प्रक्रियाएं हैं। अक्सर, शुरुआती स्तर पर कार्रवाई न होने से अतिक्रमण बढ़ जाता है और बाद में सामाजिक अशांति के डर से प्रशासन कड़े कदम उठाने से बचता है।

भूमाफिया को आखिर किसका संरक्षण

अतिक्रमण करने वाले भूमाफिया भी किसी ना किसी नेता के दम पर ही कार्य करते हैं, जिस वजह से प्रशासन भी मूकदर्शक बना रहता है। भूमाफिया सदैव ही सक्रिय रहते हैं। नेताओं के संरक्षण के कारण भूमाफिया को प्रशासन का डर नहीं रहता।

भूमाफिया रहते हैं सक्रिय

भू माफियाओं के लिए सरकारी भूमि पर कब्जा करना आसान होता है। सरकारी अधिकारी अपनी व्यस्तता के कारण भूमि की देखभाल में उतनी निरन्तरता नहीं रख पाते। सामान्यतया जो बड़े माफिया हैं, वे ही कब्जा करते हैं और कुछ समय बाद किसी सीधे-सादे व्यक्ति को बेच देते हैं। जब सरकार की कार्रवाई शुरू होती है, तो भूमाफिया बच जाते हैं।

लापरवाह और भ्रष्ट है सरकारी तंत्र

हमारे देश में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की समस्या गंभीर होती जा रही है। इसकी वजह है सरकारी तंत्र का लापरवाह एवं भ्रष्ट होना। इन्हीं कारणों से सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की समस्या गंभीर होती जा रही है। यदि सरकार इस मामले की ओर गंभीर रूप से ध्यान दे, कड़े कानून के साथ अतिक्रमण हटाया जाए, तो समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

गठजोड़ है मुख्य कारण

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण आज एक प्रमुख समस्या बन गई है। इसका मुख्य कारण अतिक्रमण माफिया का सरकारी तंत्र से गहरा गठजोड़ है, जिसमें सरकारी तंत्र माफिया का पूरा साथ देता है। यदि अतिक्रमण की प्रारंभिक अवस्था में ही इसे हटा दिया जाए, तो आसानी से हट सकता है लेकिन प्रशासन आंखें बंद किए रहता है। आम जन की चुप्पी भी एक कारण है।

सरकारी सिस्टम जिम्मेदार

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसके लिए स्वयं सरकारी सिस्टम जिम्मेदार है। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के ज्यादातर मामलों में सरकारी नुमाइंदे और नेता लिप्त नजर आते हैं।

कई लोगो ने अवैध कब्जे को बनाया धंधा

शहर में ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने अवैध कब्जे को अपना धंधा बना लिया है। ऐसे लोगों ने पहले भी कई नगर निगम क्षेत्र में अवैध कब्जा किया और उस जमीन को ऊंचे दाम में बेच दिया। इसके बाद फिर दूसरी जगह पर अवैध कब्जा कर लिया और फिर बेच दिया जाता है विजयपुर, बोइरदादर में भी रसूखदार भूमाफियों के द्वारा लगातार अवैध कब्जा किया जा रहा है

मिलीभगत का संदेह

अवैध कब्जे के इस खेल में भूमाफियाओं के साथ ही राजस्व अमला और जन प्रतिनिधियों की मिलीभगत की आशंका है। मिलीभगत के कारण ही शिकायत के बावजूद अतिक्रमणकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। बल्कि, उल्टे उन्हें बिजली, पानी और सड़क की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है

रसूखदार भूमाफियाओं को मिल जाती हैं, एनओसी

एक तरफ पट्टाधारी लोगों को अपने मकान में बिजली कनेक्शन लगाने के लिए एनओसी नहीं मिल रहे हैं। वे एनओसी के लिए नगर पालिका और विद्युत कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए मकानों को बिजली कनेक्शन के लिए तत्काल एनओसी मिल जाती हैं।

शिकायत के बाद तुरंत नहीं होती कार्रवाई

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण आम बात हो गई है। लालच के चलते यह समस्या बढ़ी है। प्रशासन अतिक्रमण के मामले में तुरंत कार्रवाई नहीं करता, जिससे अतिक्रमण करने वालों के हौसले बढ़ जाते हैं। बाकी खबर अगले अंक में.....

संपादकीय

बांग्लादेश में अराजकता का दौर कब रूकेगा?

5 अगस्त 2024 से पड़ोसी बांग्लादेश में अराजकता का दौर अब भी जारी है। जेल में बंद बांग्लादेश के पूर्व मंत्री और अवामी लीग नेता रमेश चंद्र सेन की मौत हो गई है। उन्होंने देश के शीर्ष हिंदू नेताओं में गिना जाता था, जो शेख हसीना की सरकार में जल संसाधन मंत्री रहे चुके थे। पांच बार के सांसद सेन ने साल 2024 में अपना आखिरी चुनाव जीता था। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, रमेश चंद्र सेन को 7 फरवरी शनिवार सुबह करीब 9.10 बजे तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सेन की मौत ने जेल में रखे गए अवामी लीग के सीनियर नेताओं और पूर्व मंत्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले दिनों एक और हिंदू युवक की निर्मम हत्या के बाद भारत में उसकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं का नरसंहार किसी को नहीं दिख रहा है। कुछ दिन पहले विश्व हिंदू परिषद ने देश भर में बांग्लादेश ने एक हिंदू युवक दीपूचंद्र दास की हत्या की हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन किए थे। इस दौरान कोलकाता स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के ऑफिस पर प्रदर्शन के दौरान वहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी बरसाईं। इस प्रदर्शन बांग्लादेश सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की थी। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अब हर जगह भीड़तंत्र को हवा दी जा रही है। भीड़ चाहे जिसे अपराधी मानकर सजा ए मौत दे रही है। यह नैसर्गिक न्याय के भी विरूद्ध है, क्योंकि इसमें आरोपी को अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं मिलता। ऐसे में मामलों में किसी को जिम्मेदार ठहराना भी मुश्किल है। इस भीड़तंत्र को हर हाल में रोकना जरूरी है। सभी सरकारों और प्रशासन की यह संवै?धानिक जिम्मेदारी है कि वो अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और कानून के हिसाब से राज चलाएं ताकि सभी नागरिकों में सरकार के प्रति विश्वास कायम रहे। बताया जा रहा है रमेश चंद्र सेन को अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर हत्या समेत तीन आरोप लगाए थे। अगस्त 2024 में सेन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें उनके हाथ रस्सी से बंधे हुए थे। शेख हसीना की सरकार के बाद अवामी लीग के नेता हमलों से बचने के लिए देश छोड़कर भाग रहे थे या गुप्त जगहों पर छिप रहे थे, उस दौरान सेन ने घर पर रहना चुना। उन्हें यकीन था कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। बांग्लादेश में रमेश चंद्र सेन की मौत को लोगों ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इस पर सवाल उठाए हैं। कुछ लोगों ने इसे हिरासत में हत्या बताया है। पांच टॉप अवामी लीग नेताओं की मौत हो चुकी है। ढाका के प्रदीप चौधरी ने फेसबुक पर लखा, मुझे पता है कि उनके बारे में बहुत सारी झूठी बातें फैलाई जाएंगी।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की भारत सिटी सोसाइटी में ऑन लाइन गेम्स की लत और वर्चुअल एवं एकाकी दुनिया में जी रही तीन नाबालिग बहनों की खुदकुशी की सिहरा देने वाली घटना को विरल मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस गंभीर घटना की भीतरी पर्तें जिस तरह से खुल रही है, वह इस बात की गंभीर चेतावनी है कि हमारा भावी समाज कैसा होगा? इस घटनाक्रम में एक एंगल परिवार में आंतरिक तनाव, एकाकीपन और आपसी संवादहीनता का भी आ रहा है, यदि ऐसा है तो भी यह चेतावनी भरा है कि महज पच्चीस साल बाद मानव समाज में आपसी रिश्ते कैसे और किस दिशा में संचालित होंगे।

ऑनलाइन गेमिंग की लत और गाजियाबाद केस- संवेदना और संवाद गायब हुए तो कैसा होगा भावी समाज?

(अजय बोकिल)

जिन तीन लड़कियों ने आधी रात के बाद बिल्डिंग से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी, उनकी डायरी से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस 'बीटा जनरेशन' की सोच, समझ, प्राथमिकताएं और सपने क्या हैं? यथार्थ जगत से उनका कितना नाता है?

ये दुर्भाग्यपूर्ण मौतें केवल वर्चुअल वर्ल्ड में जीने का परिणाम है अथवा परिवारिक सहजीवन और परस्परता के तार-तार होने का बुरा संकेत है? युवा होती पीढ़ी की नजर में मुश्किल से मिले मनुष्य जीवन के क्या मायने हैं? कोरियन कल्चर (या किसी और कल्चर से भी) से प्रभावित होकर असमय जान गंवाने वाली तीनों लड़कियां समाज से लगभग पूरी तरह कट चुकी थीं या उन्हें काट दिया गया था। इसमें उनके परिजनों का भी दोष है। लेकिन जहां ऐसा नहीं है, वहां भी बच्चों की मानसिकता में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। चिंता की बात यही है कि भावी समाज किस बुनियाद पर टिका होगा? ऐसा समाज जो, संवेदना, संवाद और सहकार रहित हो, उसे मानव समाज में मुश्किल होगा। कहा जा रहा है कि भावी समाज अति डिजीटल समेकित समाज होगा, और भौतिक और आभासी समाज का हाईब्रिड होगा। आज अधिकांश बच्चे स्मार्ट फोन के चलते ऑन लाइन गेम्स के लती होते जा रहे हैं। भविष्य के बच्चे तो बचपन से ही स्मार्ट फोन से भी आगे एआई के गुलाम बन जाएंगे। जानकारों को आशंका है कि उनकी अपनी कल्पनाशक्ति, सोच, समझ और संवेदना धीरे-धीरे कुंद होने लगेगी। वो तंत्र, प्रौद्योगिकी और आभासी विश्व के गुलाम नागरिक बन जाएंगे। यूं संचार क्रांति के चलते भौतिक दूरियां मिटेंगी, लेकिन भावनात्मक नजदीकियां दूरियों में तब्दील हो जाएंगी। यानी लोग पास आकर भी दूर होते जाएंगे। ऐसा भावी समाज 'अलोन टुगेदर' यानी 'अकेले रहकर साथ रहने वालों' का होगा। दुर्भाग्य से आज मोबाइल स्मार्ट फोन बड़ो से भी ज्यादा बच्चों की लत में तब्दील हो रहा है। कई मांएं तो बच्चों को चुप कराने के लिए खुद ही अपना फोन बच्चों को खेलने के लिए दे देती है। आलम यह है कि बच्चा घर या स्कूल में ककहरा सीखने से पहले ही नेट चलाना सीख जाता है। मोबाइल या टैबलेट पर बच्चों का बढ़ता स्क्रीन उसे उस दुनिया का नागरिक अभी से बना रहा है, जो कम से कम सामाजिकता के जिंदा रहने की दृष्टि से कतई ठीक नहीं है। वाई-फाई पर चल रहे ट्रैफिक पर नजर रखने वाली डिवाइस हैप्पीनेट्ज कंपनी के सर्वे में पाया गया कि आज बच्चे इंटरनेट पर वो सब देख रहे हैं, जो उन्हें इस कच्ची उम्र में कतई नहीं देखना चाहिए। फिर चाहे वह यू-ट्यूब हो या फिर ऑन लाइन गेमिंग। इससे नई मानसिक समस्याएं पैदा हो रही है। हाल में हुई एक स्टडी बताती है कि एक बच्चे को जल्दी स्मार्टफोन दिया जाता है, उतनी ही जल्दी उसको मेंटल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेट पर बच्चे साइबर बुलीइंग, डेटा प्राइवेसी, इन्फॉर्मेशन लीक जैसी कई तरह की गलत एक्टिविटी की चपेट में आ रहे हैं। मां बाप को इसकी या तो जानकारी नहीं है या फिर वो जानकर भी अनजान हैं। हकीकत यह है कि स्मार्टफोन की लत के चलते कई बच्चे किसी भी काम पर सही ढंग से फोकस नहीं कर पाते। चुनिंदा बच्चे बहुत कुशाग्र हैं तो कई बच्चों की एकाग्रता लगातार घट रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2040 तक यानी मात्र 14 साल बाद ही वर्च्युअल रियलिटी यानी वीआर (आभासी

वास्तविकता) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का आपस में इतना घालमेल हो जाएगा कि उन्हें एक दूसरे से अलग करना मुश्किल होगा। वर्चुअल रियलिटी के साथ तेजी से बढ़ती मिक्स्ड रियलिटी यानी एमआर (मिश्रित वास्तविकता) तथा एक्सटेंडेड रियलिटी यानी ईआर (विस्तारित वास्तविकता) का तेजी से विस्तार भी इसमें शामिल हो जाएगा। जीवन के हर क्षेत्र में एआई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण, अनिवार्य और निर्णायक हो जाएगी। एआई को 'सेकंड सेल्फ' यानी दूसरा स्वयं भी कहा जा रहा है। जबकि मेटावर्स एक गहन आभासी पर्यावरण होगा, लोग जिसके जरिए ही आपस में संवाद करेंगे। 'खूब गुजरेगी जब मिल बैठेंगे दीवाने दो' जैसे जुमले इतिहास की बात होंगे। हकीकत में लोग एक काल्पनिक और अव्यावहारिक दुनिया में ज्यादा जीएंगे। वर्चुअल समाज की अर्थव्यवस्था और सामाजिकता भी वर्चुअल ही ज्यादा होगा। प्रत्यक्ष संवाद और मिल बैठकर सुख दुख की बातें गुजरे जमाने की बात होगी। ज्यादातर लोग अपने में मगन होंगे। सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं होने का अवसाद बना रहेगा और जो आत्मघात तक बढ़ सकता है। ऐसी दुनिया में जीवित रहने के लिए लोगों में क्रिटिकल इमरसिव लिटरेसी (निर्णायक गहन साक्षरता) की दरकार होगी। भावी डिजीटल समाज में मानवीय रिश्ते इस बात से तय होंगे कि हम संवाद किस तरह करते हैं। सोशल मीडिया के रूप में आज हम यह देख ही रहे हैं, जो हमे सतत संवाद की अवस्था में उलझाए रखता है, लेकिन जिसकी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता बहुत संदिग्ध है। उदाहरण के लिए किसी मर चुके व्यक्ति को उसके मेटा पर अनडिलीटेड अकाउंट पर बिना देखे-समझे जन्मदिन की बधाई देते चले जाना है। और ऐसा करने वाले पढ़े लिखे लोग ही होते हैं। ऐसा लगता है कि लोग किसी बात की गहराई और प्रामाणिकता की पुष्टि के परिश्रम को धता बता चुके हैं। दरअसल, 24×7 संपर्क और संवाद आपको जितना सक्रिय रखता है, उतना ही आपकी निजता के लिए घातक भी है और वक्त की बर्बादी भी। इससे अकेलापन बढ़ता है और मनुष्य को अवसाद की ओर ले जाता है। आने वाले वर्षों में यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी। जीवन के कठोर सत्य को स्वीकार कर चुनौतियों से जूझने और संघर्ष का माद्दा घटता जाएगा। ऐसे में कौन कब सुसाइड कर ले या फिर अकारण किसी की हत्या कर दे, कहा नहीं जा सकता। ऐसे अपराधों की विवेचना और दंड के लिए भी हमे वर्तमान कानूनों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना होगा। इतना ही नहीं, रोमांटिक रिश्ते डेटिंग एप के जरिए ही होंगे। जज्बाती प्रेमपत्र तो अब वैसे भी अतीत की बात बन चुके हैं। सोशल मीडिया ही भावनाओं के इजहार का अहम माध्यम बन गया है। हाइपर कनेक्टेड विश्व लोगों की निजी जिंदगी को लगभग खत्म कर देगा। जिससे उद्वेलन बढ़ेगा। ज्यादातर लोग या तो अपने में मगन होंगे या फिर बेचैन और त्रस्त होंगे। अहम सवाल यह है कि क्या हम भावी पीढ़ी को इस अभिशाप से बचा सकते हैं अथवा ऐसी कोशिशों के बाद भी यह पीढ़ी उन दुष्परिणामों से बच पाएगी, जिसके खतरे हमे अभी से स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कभी संयुक्त परिवार वाले भारतीय समाज में आपसी रिश्ते भी सगेपन तक सीमित हो गए हैं। ज्यादातर बच्चे अपने चचेरे ममेरे रिश्तेदारों को नहीं जानते या फिर बहुत औपचारिक संपर्क है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बचपन से ही अभिभावक ध्यान दें तो इस समस्या का कुछ तो निदान हो ही सकता है। गाजियाबाद की तीनो गर्ल्स का स्कूल से नाता टूट चुका था। वो पूरी तरह अकेली और आत्मकेन्द्रित हो गई थीं। भारतीय जीवन मूल्यों के बजाए वर्चुअल वर्ल्ड की कोरियाई जीवन शैली उन्हें सार्थक लगने लगी थी। भले ही असल में खुद कोरियाई लोग अपने जीवन से असंतुष्ट हों। बचपन में माता पिता के प्यार से वंचित उन लड़कियों ने स्मार्ट फोन पर ऑन लाइन गेमिंग और वर्चुअल दुनिया को ही जीवन का सच मान लिया था। उससे दूर जाना उनके लिए मृत्यु का वरण था, जो उन्होंने हकीकत में कर दिखाया। उनके दिमाग पर किसी और कब्जा हो चुका था। यही कारण था कि 80 फीट ऊंचाई से कूदने में भी जान जाने का डर नहीं लगा। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब बच्चे ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं या सोशल मीडिया पर रील्स देखते हैं तो उनके दिमाग में डोपामाइन हार्मोन का स्राव होता है। एकल परिवार होने और मां-बाप के कॅरियर और कमाई में व्यस्त होने से बच्चे ऐसी वर्चअल दुनिया की तरफ मुड़ जाते हैं, जहां से लौटने का रास्ता कम ही बचता है। गाजियाबाद वाली घटना में भी तीनों बहनों ने कमरे की दीवारों पर अलग-अलग कटिंग लगा रखी थीं। उसी कमरे में तीनों अधिकतर समय बिताती थीं। पिता ने उनका मोबाइल फोन छीनकर बेच दिया था। इससे वो बहुत आहत थीं। इसी साल भोपाल में 14 साल के एक बच्चे ने इसलिए फांसी लगा ली, क्योंकि उसके परिजनों ने उसे मोबाइल पर 'फ्री फायर' गेम खेलने से रोका था। इसी तरह केरल में भी एक नाबालिग लड़की जो मोबाइल पर कोरियन पॉप कल्चर से अत्यधिक प्रभावित थी, ने अकेलेपन से परेशान होकर खुदकुशी कर ली थी।ऑन लाइन गेम खेलने पर रोक लगाई गई है। लेकिन यह भी समस्या का आंशिक इलाज ही है। प्रौद्योगिकी के आक्रमण और विकास को रोक पाना मनुष्य के बस में है या नहीं, यही अब सबसे बड़ा सवाल है। और इस हमले की छाया में जो पीढ़ी जवान होगी, उसका सामाजिक जीवन क्या होगा, होगा भी या नहीं, यह प्रश्न भी कंपकंपी पैदा करने वाला है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

मशीन विवेक कहां से लाएगी? तकनीक आगे बढ़ेगी, पर फैसला इंसान ही करेगा

(देवेश त्रिपाठी)

विवेक एक ऐसा अद्वितीय मानवीय कौशल है, जिसका स्वचालन नहीं किया जा सकता, निकट भविष्य में तो बिल्कुल नहीं। कॉलेज के दिनों में मुझे मध्यकालीन अध्ययन के एक सेमिनार में शामिल होने का अवसर मिला। विषय था-ब्रिटिश कॉमन लॉ की उत्पत्ति। वहां मैंने जाना कि 14वीं सदी के इंग्लैंड में न्यायाधीश किस तरह संपत्ति से जुड़े विवादों का निपटारा करते थे। जब गवाहों के बयान आपस में टकराते और दस्तावेज अधूरे या अस्पष्ट होते थे, तब न्यायाधीश अपनी तार्किक क्षमता और विवेक का इस्तेमाल करके निर्णय लेते थे। उस सेमिनार की सीख आज भी मेरे काम आती है। वह मुझे पढ़ने, शोध करने और विश्लेषण करने वाली गहरी शिक्षा की अहमियत की याद दिलाती है।

मेरी कॉलेज की शिक्षा ने मुझे यह नहीं सिखाया कि 'क्या सोचना है', बल्कि यह सिखाया कि 'कैसे सोचना है'। तकनीकी प्रभुत्व वाली इस दुनिया में रणनीतिक और वित्तीय फैसले लेते समय यही नजरिया सबसे ज्यादा कारगर साबित होता है। आज जितनी भी बोर्डरूम चर्चा होती है, हरेक के केंद्र में एआई होता ही है। निस्संदेह एआई परिवर्तनकारी साबित होगा। फिर भी, बहुत कुछ ऐसा भी है, जो बिल्कुल नहीं बदलेगा। उनमें सबसे प्रमुख है इन्सानी विवेक। विवेक से मेरा तात्पर्य है-परस्पर विरोधी मूल्यों और मतभेदों के बीच मध्यस्थता करने की क्षमता; उन पहलुओं पर विचार करने का हुनर, जो अपने आप में महत्वपूर्ण तो हैं, पर जिन्हें एकसाथ पूरा नहीं किया जा सकता; और श्रेष्ठ विकल्प तक पहुंचने के लिए कई रास्तों पर विचार करने का कौशल। यह एक अद्वितीय मानवीय कौशल है।

हाल ही में, मेरा एक ग्राहक अपने व्यवसाय का एक हिस्सा बेचना चाहता था। उसके सामने दो विकल्प थे-या तो उस तेजी से बढ़ने वाली इकाई को बेच दिया जाए, जो अस्थिर थी व मुख्य कारोबार का केंद्र नहीं थी, या फिर उस धीमी गति से बढ़ने वाली इकाई को बेचा जाए, जो कंपनी के उद्देश्य और मिशन से अधिक मेल खाती थी। एआई आधारित विश्लेषण ने धीमी वृद्धि वाले व्यवसाय को बेचने की सिफारिश की। लेकिन मानवीय विवेक ने दूसरा रास्ता दिखाया कि उतार-चढ़ाव वाली इकाई को बेचें और दूसरी को बेहतर बनाएं।

हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कौन-सा रास्ता सही साबित होगा, लेकिन मैं एआई के उत्तर की निश्चितता देखकर दंग रह गया। बेशक एआई पैटर्न पहचानने, कोड बनाने और भारी मात्रा में टेक्स्ट व डाटा को संकलित करने में सक्षम है। पर किसी को यह तय तो करना ही होता है कि विश्लेषण भरोसेमंद है या नहीं, उसके निहितार्थ क्या हैं और उस पर अमल करना समझदारी होगी या नहीं। यही वे जगहें हैं, जहां तकनीक नहीं, बल्कि मानव विवेक निर्णायक भूमिका निभाता है। पिछले वर्ष एक बोर्ड यह जानना चाहता था कि उसे एक व्यावसायिक सौदे के लिए कितनी बोली लगानी चाहिए। एआई ने एक ऐसी राशि सुझाई, जो मुझे कम लगी। फिर चर्चा हुई कि क्या सौदे की कीमत अधिक रखनी पड़ेगी। जैसा कि अपेक्षित था, जब कंपनी ने एआई द्वारा सुझाई कीमत का प्रस्ताव दिया, तो उसे निरस्त कर दिया गया। बाद में, अधिक कीमत की पेशकश स्वीकार कर ली गई और सौदा सफल रहा। सौदे को लेकर एआई मानवीय पहलुओं को नहीं समझ सका, जिसे मानवीय निर्णय ने बखूबी समझा। इसी वजह से मुझे संदेह है कि एआई जल्द मानवीय पहलुओं की बराबरी लेगा। उच्च शिक्षा और व्यवसाय में लोगों को विशेषज्ञता की तरफ धकेलने का चलन है। एआई इस दबाव को और बढ़ा देता है। आम सोच यह है कि अगर मशीनें सामान्य काम कर सकती हैं, तो इन्सानों को खास कामों पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मानना है कि इसका उल्टा सच है। जैसे-जैसे नियमित विश्लेषण स्वचालित होता जाएगा, पेशेवरों को जो चीज अलग बनाएगी, वह होगी अलग-अलग क्षेत्र में चीजों को समझने की क्षमता, ऐसे पैटर्न देखना, जो विशेषज्ञ नहीं देख पाते, और सही फैसला लेना। नियुक्ति करते समय व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता ऐसे लोगों की तलाश करते हैं, जो विश्लेषण करने, खुद को बदलने, नए कौशल सीखने और नई जानकारियों से लैस होने में तेजी से सक्षम हों।

सदन की घटनाओं से तार-तार होता राष्ट्रीय चरित्र

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमानियों का बाहुल्य होता जा रहा है। विधानसभाओं से लेकर लोकसभा तक में राष्ट्रीय चरित्र का निरंतर पतन हो रहा है। गुण्डागिरी का ऊपर उठता ग्राफ, अपशब्दों की बौछार और आक्रमण के लिए उन्मादी भीड के दृश्य किसी मवाली मंडी के मानिन्द सामने आ रहे हैं। हाथपाई, मारपीट और गालीगलौज से ऊपर उठकर प्राणघातक हमले तक बात पहुंच चुकी है। इन सबके मध्य अब महिलाओं को हथियार बनाकर राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को भी नस्तनाबूत करने के लिए भी राजनैतिक दलों ने अब कमर कस ली है। संसद के अन्दर का वातावरण अब असुरक्षा के प्रदूषण से इतना भर गया है कि वहां पर सम्मान की सांसें लेने में बेहद कठिनाई होने लगी है।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

सभापति का पद भी निर्विघ्न रूप से कीचड उछाला जाता रहा है। राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति तक की संवैधानिक गरिमा पतन के गर्त में पहुंचती जा रही है। मतभेदों की वैचारिक भिन्नता अब मनभेद का संघर्ष बन चुका है। संसद के बाहर षडयंत्र करने वाले अब अन्दर का सम्मान भी मिट्टी में मिलाने पर तुल गये हैं। ढीठता की चरम सीमा पर पहुंचने वाले अनेक राजनेताओं का नंगा नाच अब सडकों पर भी मनोरंजन का कारक बनता जा रहा है। खतरनाक आपराधिक घटनाओं में आरोपी बने लोग जब संसद में जनप्रतिनिधि बनकर पहुंचेंगे, तो उनकी मानसिक गंदगी से वहां भी गैगवार जैसी स्थितियां पैदा होना स्वाभाविक ही है। राजनैतिक दलों में बाहुबलियों, भीडबलियों, धनबलियों, गैगबलियों सहित माफियों को बेधडक सम्मान देने की परम्परा अब बेहद तेजी से आगे बढ रही है। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की दहशत को लोकप्रियता का नया मापदण्ड माना जाने लगा है। घोटालेबाजों की सम्पत्ति ही उन्हें प्रतिष्ठा के नये सोपान तय करा रही है। माफियों के गिरोहों की दखलंदाजी अब कार्यपालिका के दफ्तरों से लेकर सदन के अन्दर तक हो चुकी है। नियम, कानून, व्यवस्था जैसे शब्द केवल निरीह लोगों पर ही कहर बनकर टूट रहे हैं। देश का नाम दुनिया के भाल पर भले ही चमकता दिख रहा हो परन्तु अन्दर के हालातों को विस्फोटक बनाने में लगे उत्तरदायी लोगों के समूह अब आत्मघाती दस्ते बनकर विदेशी षडयंत्र को अमली जामा पहनाने में तेजी से जुट गये हैं। साइबर युग में अतीत की इबारत से लेकर वर्तमान के क्रियाकलापों तक का आइना खुलकर सामने आ चुका है। ऐतिहासिक घटनाओं को विकृत करके इतिहास लिखवाने वालों तक को पोल खुल चुकी है। सत्य को झुठलाकर षडयंत्र को विकसित करने वालों ने लम्बे समय तक देश को अंधकार में रखा और राज्य किया। गुलामी की आदतों में जकडे नागरिकों को शाब्दिक स्वतंत्रता का सब्जबाग दिखाकर गोरों ने केवल सत्ता के चेहरों को ही बदला था। सब कुछ यथावत ही रहा था। चन्द लोगों के द्वारा स्वीकार की गई अंग्रेजियत को समूचे देश पर थोपा गया। विलायती संस्कृति के आगे परम्परागत संस्कारों को दास बना दिया गया। शिक्षा से लेकर चिकित्सा तक, न्यायालयों से लेकर संस्थानों तक और धरती से लेकर आसमान तक पाश्चात्य की जडें मजबूत करने की षडयंत्रकारी योजनायें आज दावानल बनकर देश को निगल रहीं है। लोकतंत्र के मंदिर को भी देश के अन्दर बैठे मीरजाफरों की फौज विखण्डित करने पर तुली है। उदाहरण के तौर पर देखें तो विगत 26 अगस्त 2006 को लोकसभा में हुई जेडीयू और आरजेडी के मध्य हाथापाई

हुई। विगत 24 नवंबर 2009 को राज्यसभा में अमर सिंह और अहलूवालिया के मध्य हाथापाई हुई। विगत 5 सितंबर 2012 को राज्यसभा में बीएसपी सांसद अवतार सिंह और एसपी सांसद नरेश अग्रवाल के मध्य हाथापाई हुई। विगत 13 फरवरी 2014 को हुए झगड़े ने अध्यक्ष को कक्ष से भागने पर मजबूर कर दिया और कई सांसदों को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में प्रदर्शनकारी सांसद ने विरोधियों पर मिर्च स्प्रे फेंका था। कांच की मेज को तोड़ा माइक्रोफोन का तार तोड़ दिया था। विगत जनवरी 1988 को एमजी रामचंद्रन की विधवा जानकी के समर्थकों तथा जे. जयललिता के समर्थकों के मध्य हाथापाई हुई जिसमें 20 विधायकों को चोटें आईं थीं तथा 100 से अधिक माइक टूट गए और कई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हो गईं। विगत 26 मार्च 1989 को तमिलनाडु विधानसभा में जयललिता पार्टी के सदस्यों और करुणानिधि के डीएमके के विधायकों के बीच हिंसा भड़क उठी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विगत 16 दिसम्बर 1993 को सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच हुई हाथापाई में अध्यक्ष केसरी नाथ त्रिपाठी सहित 33 विधायक घायल हो गए थे। यहीं पर 21 अक्टूबर 1997 को फिर आक्रामण की घटना हुई जिसमें लगभग 50 सदस्य घायल हो गए थे। इस घटना में माइक्रोफोन स्टैंड, पेपरवेट, कांच के टुकड़े और फर्नीचर का खुलकर प्रयोग हुआ था। इसी तरह 14 सितंबर 2007 को कांग्रेस विधायक भीष्म शर्मा ने भाजपा के मुख्य सचेतक साहब सिंह चौहान पर शारीरिक हमला किया था। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बाहर 11 दिसंबर 2012 को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के विधायकों के बीच हाथापाई हुई। तमिलनाडु विधानसभा में भी 2013 में मुक्केबाजी हुई। केरल के विधायकों ने 13 मार्च 2015 में तोड़ीं कुर्सियां, माइक फेंके और मेजों पर चढ़ गए। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में 28 अगस्त 2015 को कांग्रेस और विपक्षी भाजपा विधायकों के बीच मारपीट हुई। तमिलनाडु में 18 फरवरी 2017 को तमिलनाडु विधानसभा में राज्य विधायकों द्वारा हिंसा और बर्बरता की घटनाएं हुईं। गुजरात विधानसभा विगत 14 मार्च 2018 को प्रश्नकाल के बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर थप्पड़ और लात-घूंसे बरसाए, माइक्रोफोन भी तोड़े। हरियाणा विधानसभा में 11 सितंबर 2018 को विपक्ष के नेता और इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अभय चौटाला और कांग्रेस विधायक करण सिंह दलाल के बीच अभूतपूर्व लड़ाई देखी गई। बिहार विधानसभा में 24 मार्च 2021 को विपक्षी विधायकों के विरोध के कारण सदन में अभूतपूर्व हंगामा हुआ जिसके बाद स्पीकर के कक्ष की घेराबंदी करने वाले विधायकों को बाहर निकालने के लिए पुलिस को बुलाना पडा। कर्नाटक विधानसभा में 16 फरवरी 2022 को सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच हाथापाई हुई। पश्चिम बंगाल विधानसभा में 24 मार्च 2022 को बजट सत्र हाथापाई के साथ समाप्त हुआ जिसमें विधानसभा में टीएमसी और भाजपा विधायकों के बीच हुई मारपीट हुई। महाराष्ट्र विधानसभा में विगत 1 मार्च 2024 को विधान भवन के गलियारे में बड़ी हाथापाई हुई। जम्मू कश्मीर विधानसभा में 7 नवंबर 2024 को विधायकों के बीच हाथापाई हुई और अभी हाल ही में देश की राजधानी का सदन प्रधानमंत्री पर हमले को आमादा विपक्ष की महिला सांसदों की घटना का गवाह बना। यह तो मात्र बानगी है, वास्तविक आंकडे तो इससे कहीं बहुत अधिक हैं। ऐसी घटनायें ही देश के राष्ट्रीय

रेबीज एक जानलेवा बीमारी है परन्तु इसकी रोकथाम पूर्णत: संभव है

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

समीप अनंत - सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में राष्ट्रीय रेबीज कंट्रोल प्रोग्राम के अंतर्गत आज आज दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण में जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल के चिन्हांकित अधिकारी कर्मचारी को आमंत्रित गया है था जिले में अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक कुल 10 माह में 8186 एनिमल बाइट के केस दर्ज हुए है जिनको उपचार दिया गया है। रेबीज क्या है रेबीज एक वायरल संक्रमण है जो मनुष्यों एवं जानवरों में हमेशा ही घातक होता है रेबीज के सामान्य वाहक कौन है? रवीश बीमारी कुत्ते ,बिल्ली ,बंदर आदि जैसे जानवरों के काटने या खरोचने के कारण हो सकती है। रेबीज का संक्रमण कैसे फैलता है संक्रमित जानवर के काटने से रेबीज का संक्रमण फैलता है ज्यादातर मामलों में मनुष्यों में यह बीमारी कुत्ते के काटने या खरोचने से भी होती है (90त्र से ज्यादा) मनुष्यों में जानवर के काटने के बाद क्या उपचार करना चाहिए? सबसे पहले जख्म घाव को साबुन और साफ पानी बहते पानी से 15 मिनट तक अच्छी तरह से धोएं ,घाव पर उपलब्ध एंटीसेप्टिक लगावे ,घाव को खुला छोड़े और टांके न लगवाए ,तुरंत अपने डॉक्टर की सलाह ले और एंटी रेबीज के टीके लगवाए घाव बड़ा होने पर इम्युनोग्लोबिन सिरपका टीका भी लगवाए। रेबीज का टीकाकरण रेबीज के बचाव के लिए एंटी रेबीज टीका त्वचा या मांसपेशियों में लगवाए अगर त्वचा में लगाए जाते है तब 0 ,3 ,7 और 28 दिवस को लगवाएंगे लेकिन मांसपेशियों में लगवाने पर 0 ,3 ,7 ,14 और 28 वे दिवस में लगवाएंगे मनुष्य में रेबीज से बचाव के लिए क्या आवश्यक है घाव को अच्छी तरह से साफ पानी में धोए ,घाव को खुला ही रखे ,तथा पास के स्वास्थ्य के केंद्र में जाकर टीका लगवाए और पूरे डोज भी लगवाए अधूरा न छोड़े रेबीज से बचने के लिए क्या करे घाव को साफ करे अल्कोहल या स्पिरिट से क्लीन करे, टीका लगवाए, समय समय पर पालतू जानवरों का टीकाकरण करवाए। ,कुत्ते काटने पर कोई घरेलू उपचार के चक्कर में न पड़े ,अपने चिकित्सक से तुरंत ही सलाह ले अपने समुदाय में रेबीज की रोकथाम के लिए क्या करे अपने घर के आसपास और मोहल्ले में पालतू व अज्ञात कुत्ते को भी नियमित तौर से एंटी रेबीज टीका लगवाने के लिए पहल करे ,अगर आपके मोहल्ले में जानवर काटने की घटना हो रही है तो तुरंत अपने नाचदीकी पंचायत / नगर पालिका के अधिकारी को सूचित करे ,आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखे और कूड़ा कचरा जमा ना होने दे जानवरों में रेबीज होने के लक्षण क्या है जानवरों के व्यवहार में परिवर्तन ,भौंकने के स्वर में बदलाव , बिना किसी कारण अत्यधिक उत्तेजित हो जाना ,बिना किसी कारण के काटना पानी से डरना ,(हाइड्रोफोबिया) मुंह से अत्यधिक लार निकलना , लकवा आना आदि मनुष्य में रेबीज होने के लक्षण क्या है अज्ञात जानवर से काटने का इतिहास होना ,पानी से डरना वायु भीटी अतः अज्ञात जानवरों के काटने के प्रकरण को आजरंदाज न करे याद रहे रेबीज की बीमारी 100त्र जानलेवा है जबकि बचाव आसान है

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का भव्य समापन 13 फरवरी को

कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत सिंह साहेब होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर/मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा जिले के शासकीय हाई स्कूल मैदान, जांजगीर तथा कृषि विज्ञान केन्द्र जर्वे, जांजगीर में 11, 12 एवं 13 फ़रवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है द्य जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 का समापन समारोह 13 फ़रवरी को सायं 5 बजे किया जाएगा। समापन कार्यक्रम में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत सिंह साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं जांजगीर- चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े अति विशिष्ट अतिथि

के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही विधायक जांजगीर- चांपा श्री ब्यास कश्यप, विधायक अकलतरा श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरवंश, विधायक जैजैपुर श्री बालेश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व विधायक एवं अध्यक्ष खनिज विकास निगम श्री सौरभ सिंह, पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े, नगर पालिका परिषद जांजगीर-नैला के अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल एवं नगर पालिका परिषद चांपा के अध्यक्ष श्री प्रदीप नामदेव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण का केन्द्र- जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला के समापन अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। अपरान्ह 3:30 बजे से शाम 5 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की जाएंगी। शाम 5 बजे से 6 बजे तक मल्लखंभ, पंथी नृत्य एवं स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। शाम 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक गायिका आरू साहू अपनी प्रस्तुति देंगी। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे से सारेगामा विजेता एवं बॉलीवुड गायिका इशिता विश्वकर्मा अपनी सुरीली प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला 2026 के माध्यम से कृषि नवाचार, तकनीकी जागरूकता और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे किसानों, युवाओं एवं आमजन को लाभान्वित होने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहनों का दुनिया में बड़ा क्रांति जहाँ सोलर पैनल और विंड एनर्जी (हवा) से चार्ज होने वाली

अब धूप और हवा से चार्ज होगे वाहन, डॉ हेमसागर पटेल की पेटेंटेड तकनीक ने पेश किया भविष्य का समाधान

बरमकेला =गोबरसिंहा बरमकेला डॉ हेमसागर पटेल अतिथि व्याख्याता भूगोल वर्तमान में डॉ. शक्राजीत नायक शासकीय महाविद्यालय बरमकेला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ में कार्यरत है। उन्होंने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की बढ़ती मांग और चार्जिंग स्टेशनों की कमी के बीच एक अद्भूतपूर्ण समाधान खोज निकाला है। उन्हेंने एक ऐसी प्रणाली विकसित की है जो सौर ऊर्जा (Solar) और पवन ऊर्जा (Wind Energy) के मेल से वाहन की बैटरी को चलते-फिरते या खडे हाने पर चार्ज कर सकती है। इस नवोन्मोषी तकनीक को भारत सरकार द्वारा अधिकारिक रूप से पेटेंट कर दिया गया है।

तकनीक की खासियत चार्जिंग स्टेशनों पर निर्भरता होगी खत्म

आमतौर पर इलेट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए बिजली और चार्जिंग स्टेशनों पर घंटो इंतजार करना पड़ता है लेकिन डॉ हेमसागर पटेल द्वारा विकसति प्रणाली निम्नानुसार हैः-

हाइब्रिड पावर वाहन की बॉडी पर लगे विशेष चैनल और विंड टर्वाइन सिस्टम का उपयोग कर ऊर्जा पैदा करती है।

सफर के दौरान चार्जिंग वाहन जब सड़क पर चलेगा, तब हवा के दबाव (Wind Pressure) से बिजली बनेगी और धूप से सौर पैनल बैटरी को रिचार्ज करेंगे।

शून्य लागतः इससे वाहन चलाने का खर्च लगभग शून्य हो जाएगा क्योंकि यह प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित है।

यह पूरी तरह से कार्बन-मुक्त (Carbon-Free) है। यदि सरकार इस तकनीक को नीतिगत स्तर पर अपनाती है तो

1. पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो सकती है।
2. राष्ट्रीय ग्रिड (Grid) पर बिजली का बोझ कम होगा।
3. आम आदमी के लिए इलेक्ट्रिक वाहन रखना बेहद सस्ता हो जाएगा।

डॉ हेमसागर पटेल का संदेश :-

÷मेरा लक्ष्य भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस पेटेंटेड सिस्टम के जरिए हम विना किसी बाहरी प्लग-इन के लंबी दूरी तय कर सकते है। मैं सरकार और ऑटोमोबाइल कंपनियों से अपील करता हूँ कि वे इस तकनीक को बड़े पैमाने पर लागू करने में सहयोग करें।

क्या कहते है डॉ हेमसागर पटेल= कि वाहनों की चार्जिंग में परंपरागत बिजली का उपयोग होने से इसकी खपत बढ़ती जाएगी। अब भी देश में बिजली निर्माण के लिए कोयले का प्रयोग होता है। ऐसे में कोयले के जलने से बढ़ने वाला प्रदूषण , इलेक्ट्रिक वाहनों के चलाए जाने के उद्देश्य पर उल्टा पड़ सकता है। उनके द्वारा विकसित सिस्टम सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का प्रयोग कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा।

उत्कृष्ट सेवा हेतु 'कॉप ऑफद मन्थ' सम्मान से सम्मानित

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले में उत्कृष्ट पुलिसिंग और सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी को प्रतिमाह ÷कॉप ऑफ द मन्थ÷÷ सम्मान प्रदान किया जा रहा है। यह सम्मान पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में दिया जाता है। इस माह 12 फ़रवरी थाना कांकेर को उनके उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा एवं त्वरित कार्रवाई के लिए ÷÷कॉप ऑफ द मन्थ÷÷÷ से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित अधिकारी/कर्मचारी की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से पुलिस बल का मनोबल बढ़ता है और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। पुलिस विभाग द्वारा यह पहल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा गया कि ऐसे कर्मठ एवं समर्पित पुलिसकर्मी पूरे विभाग के लिए प्रेरणास्त्रोत है। जिला पुलिस कांकेर द्वारा भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को इसी

प्रकार सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। इसी क्रम में जितेन्द्र साहू, निरीक्षक, थाना कांकेर को आचकारी एव व चोरी के प्रकरण में विशेष भूमिका।हेमलता परिहार, उप निरीक्षक थाना अंतागढ़ को पास्को एक्ट के फ़रार आरोपी को गिरफ्तार करने व विवेचना में विशेष भूमिका पुरुषोत्तम ठाकुर, थाना पखांजूर, को हत्या के आरोपी को मुम्बई से गिरफ्तार करने में विशेष भूमिका। चंद्रभान टेकाम, चौकी हल्या को हत्या के 08 आरोपियों को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका,शिवप्रसाद तारम, चौकी हल्या को हत्या के 08 आरोपियों को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका। दिनेश ध्रुव, सायबर शाखा को आरोपियों को गिरफ्तार करने में विशेष भूमिका।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव का किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने मरीजों से ली हॉस्पिटल के स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी

कलेक्टर ने ड्यूटी टाइम में उपस्थित रहकर सेवा देने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी काउंटर, दवा कक्ष एवं ओपीडी कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्वास्थ्य कर्मी भोजन अवकाश के बाद अनुपस्थित पाए गए। इस संबंध में नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि डॉक्टर लंच पर गए हैं, लंच से वापस अस्पताल नहीं पहुंचे थे। कलेक्टर ने ड्यूटी चार्ट का अवलोकन किया। इस पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को समझाइश देते हुए समय पालन के सख्त निर्देश दिए। अस्पताल में यहां चार नर्सिंग स्टाफ कार्यरत हैं, जिनमें से दो नियमित स्टाफ नर्स हैं। डिलीवरी के लिए ग्राम चचरेल से आई मरीज सुगम नेताम से कलेक्टर ने चर्चा कर पूछा कि समय पर भोजन और दवाइयां मिल रही हैं या नहीं। मरीजों से अस्पताल की सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने निरीक्षण पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान पंजी में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए कि क्या पाया गया और क्या निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी जानकारी ली कि अस्पताल में बीएमओ निरीक्षण के लिए आए थे या नहीं। कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों को अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने पैथोलॉजी लैब तथा अतिरिक्त 6 बिस्तरों वाले कक्ष का भी निरीक्षण किया। भटगांव के स्वास्थ्य केंद्र में 30 से अधिक गांवों के लोग उपचार के लिए आते हैं। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही न बरतने और आमजन को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

वार्षिकोत्सवः शिक्षित और जागरूक व्यक्ति ही देश की असली पहचान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आनंदगांव में वार्षिक उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच आनंदगांव चंद्रकिरण नायक, मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ रजककार बोर्ड प्रहलाद रजक, अध्यक्ष भाजपा भिंभौरी मंडल सूर्यकांत नायक, जनपद सदस्य सरोज यादव, उपसरपंच तिलोषमा धीवर सहित शाला के समस्त शिक्षक एवं स्टॉफ शामिल रहे। पूर्व विधायक चंदेल ने कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, अन्य छात्रों के लिए प्रेरणादायक होता है। उन्होंने शिक्षा के साथ खेलकूद में सहभागिता का संदेश दिया।

सरपंच चंद्रकिरण ने विद्यार्थियों को अनुशासन और नियमित सहभागिता के महत्व को समझाया। शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष सूर्यकांत ने खूब पढ़बो, खूब बढ़बो का नारा देते हुए बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले ओम यदु को ट्रेकशूट एवं थर्मस देकर सम्मानित किया गया। जंबूरी स्काउट-गाइड में

शामिल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ईको क्लब के श्रेष्ठ सदस्यों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य तारकेश्वर साहू ने डिलेश कोसले को बेस्ट छात्र का पुरस्कार स्मृति चिन्ह एवं ?1100 के साथ प्रदान किया। वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का संचालन सी.के. साहू एवं मनोज वर्मा ने किया।

80 फीसदी से अधिक अंक पाने वाले छात्र सम्मानित हुए-कार्यक्रम में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मनोज कुमार वर्मा, व्याख्याता ने अपने पिता स्व. पुनऊराम वर्मा की स्मृति में कक्षा 12वीं के किरण वर्मा (88.4त्र), संगीता यादव (88.2त्र) तथा कक्षा 10वीं की दिव्या ध्रुव (90त्र), दुष्यंत यादव (84त्र) एवं लीला (82त्र) को 1000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी। इसी कड़ी में श्रीमती नेहा गुप्ता व्याख्याता के द्वारा दसवीं कक्षा में गणित विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिका लीला को नकद 500 रुपए प्रदान किया गया। विद्यालय की वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती बी. मांडले मैडम के द्वारा वार्षिक उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागी विद्यार्थियों को पचास-पचास रुपए आशीर्वाद एवं प्रेरणा स्वरूप प्रदान किया गया।

विदाई समारोह का आयोजन-कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों के अंतिम दिन को यादगार बनाने के लिए सफल प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका श्री भागवत प्रसाद बानी का रहा। सभी विद्यार्थी बहुत ही उत्साहित रहें। विदाई समारोह के अंतिम में प्रत्येक वर्ष की भांति बानी परिवार की ओर से स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर 2026 की घोषणा की गई। पूर्व पंद्रह वर्षों से लगातार अंग्रेजी क्लब की ओर से। बानी सर के सौजन्य से। स्ह्लह्स्त्रद्गठ्ठह्ल शद्ध ह्लद्धद्ग 4द्गड्डह्न ड्ड2ड्डह्म्स्र कक्षा नवमी में प्रवेशित नन्हे मुन्ने बच्चे जो चार साल इस विद्यालय में अपने प्रतिभा का परचम लहराते हैं।विद्यालय के विभिन्न गतिविधियों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। जिला और राज्य से आदेशीत गतिविधियों में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।खेल, स्काउट एंड गाइड, शिष्टाचार और सदाचार, अनुशासन और समर्पण, सांस्कृतिक और सामाजिक जन-जागरूकता में सहयोग करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाता रहा है।आज इसी कड़ी में पुनः विद्यालय से तीन बेस्ट स्टूडेंट का चयन किया गया है।इस सूची में प्रथम स्थान हासिल करने वाली बालिका माधुरी सिन्हा (कक्षा 12वीं) रहीं।इस वर्ष पचास विद्यार्थियों को पछाड़ते हुए सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों के रूप में इन्हें चयनित किया गया।नृत्य कौशल, सामाजिक जन-जागरूकता, गाइड के रूप में सेवा, विद्यालयीन प्रत्येक गतिविधियों में ऑलराउंडर रही। अंग्रेजी क्लब की मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया, चुनाव ड्यूटी में सुबह से शाम तक आनंदगांव के मतदाताओं की सेवा की।एक गणितज्ञ के रूप में इन्होंने सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी रुची से स्थान बनाया।सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर...स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2026 अवार्ड प्राप्त की।दूसरे स्थान पर बिरेंद्र कुमार (कक्षा 12वीं) रहें जिन्होंने विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन में स्काउट के रूप में प्रातः सात बजे से लेकर शाम के छः बजे तक मतदाता केंद्र में मतदाताओं के सेवा में तत्पर रहें।विद्यालय के प्रत्येक गतिविधियों में इनका योगदान रहा अनुशासन और समर्पण से यह सम्मान के हकदार बने। इस सूची में तीसरे स्थान पर तन्नूरानी (कक्षा 12वीं) रही जिन्होंने अपनी मेहनत, शिक्षण कौशल, शिष्टाचार और सदाचार,अनुशासन से विद्यालय के समस्त शिक्षकों को अपनी ओर आकर्षित किया।विशेष योगदान - समस्त विद्यालय के शिक्षकों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन उत्साह के साथ किया।स्वल्पाहार की व्यवस्था श्री मदन लाल साहू के देख-रेख में किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती नेहा गुप्ता, श्रीमती अर्चना दीवान एवं श्रीमती दामिनी साहू ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करने में विशेष योगदान दिया।भारती सर और टंडन सर वित्तीय व्यवस्था में सहयोग प्रदान किए।डीजे एवं म्यूजिक में विशेष योगदान पुनीत साहू सर और पंकज वर्मा सर का रहा।इस तरह इस वर्ष वार्षिक उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन में समस्त शिक्षक स्टाफ ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

अब तक 14,518 किसानों को मिला 51.51 करोड़ का भुगतान

होली से पहले गन्ना किसानों को बड़ी सौगात, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से 4.73 करोड़ रुपये जारी

रायपुर/मूक पत्रिका

होली पर्व से पूर्व गन्ना किसानों के लिए बड़ी राहत और खुशखबरी सामने आई है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा गन्ना किसानों के लिए 4.73 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। अब तक कुल 14,518 गन्ना किसानों को 51.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। नियमित एवं समयबद्ध भुगतान की इस प्रक्रिया से किसानों को आर्थिक संबल मिला है, जिससे वे आगामी कृषि कार्यों की तैयारी सुचारु रूप से कर पा रहे हैं। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है। उनके निर्देशन में कारखाना प्रबंधन द्वारा किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी एवं त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक

सुदृढ़ हुआ है। कारखाना प्रबंधन ने बताया कि चालू पेराई सत्र में अब तक 2,42,990 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है तथा 2,86,743 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया गया है। यह उपलब्धि किसानों के सतत सहयोग, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और कारखाने की बेहतर कार्यक्षमता का संयुक्त परिणाम है। गौरतलब है कि होली जैसे प्रमुख त्योहार से पूर्व भुगतान की पहल से किसानों को बड़ी राहत मिली है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। जिला प्रशासन एवं कारखाना प्रबंधन ने किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर कार्य करते रहने का विश्वास दिलाया है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना प्रबंधन ने शेयरधारक सदस्य किसानों एवं गैर-सदस्य गन्ना उत्पादकों से सर्वे के अनुरूप अधिकतम गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रबंधन ने इसे सहकारिता को मजबूत करने और किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने का साझा अवसर बताया है। विगत पेराई सत्र 2024-25 एवं वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में सर्वे अनुमान के अनुरूप गन्ना आपूर्ति नहीं हो पाने के कारण कारखाने की पेराई क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो सका, जिससे पेराई अवधि प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि पर्याप्त गन्ना आपूर्ति होने से पेराई अवधि बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों को आगे भी समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा। कारखाना प्रबंधन ने कारखाने की पंजीकृत उपविधियों के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया कि उपविधि धारा 07(02)(घ) के अंतर्गत सदस्य किसानों के लिए अपने उत्पादित गन्ने की आपूर्ति कारखाने में करना अनिवार्य है। वहीं उपविधि धारा 09(क)(05) में यह प्रावधान है कि यदि कोई सदस्य लगातार सर्वे के अनुसार गन्ना आपूर्ति नहीं करता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि सहकारी संस्था की निरंतरता और किसानों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है।

किसानों के हित में सतत प्रयास- कारखाना प्रबंधन ने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना अपनी स्थापना से ही क्षेत्र के गन्ना किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति का सशक्त माध्यम रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और किसानों के सहयोग से कारखाना निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। कारखाना द्वारा एफ़आरपी के अतिरिक्त रिकवरी की राशि, शासन द्वारा जारी बोनस राशि का भी भुगतान किया जाता है। शक्कर कारखाना द्वारा किसानों को शासन के सहयोग से रियायती दर पर शक्कर वितरण भी किया जाता है। गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों के लिए उन्नत बीज उपलब्ध कराया जाता है,गन्ना किसानों को गन्ना संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। किसानों के लिए कारखाना परिसर में सर्व सुविधा युक्त बलराम सदन का निर्माण किया गया है। कारखाना परिसर में श्रमिकों एवं किसान भाइयों के लिए केवल 5 रुपए में गरम भोजन के लिए कैंटीन शुरू की गई है। इस प्रकार भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का भी निर्वहन किया जाता है।

अस्तित्व की रक्षा के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी-कारखाना प्रबंधन ने सभी शेयरधारक किसानों और अन्य गन्ना उत्पादकों से अपील की है कि वे सर्वे के अनुसार अधिक से अधिक गन्ना कारखाने में दें। प्रबंधन का कहना है कि अगर सभी किसान मिलकर सहयोग करेंगे तो पेराई का लक्ष्य आसानी से पूरा हो सकेगा और कारखाना मजबूत बना रहेगा। इससे सहकारी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र के गन्ना किसानों का भविष्य भी सुरक्षित और बेहतर होगा।

बीजापुर में एंटी नक्सल ऑपरेशन तेज, एक दिन में कई बड़ी सफलताएं

30 किलो और 5 किलो के द्वंश्वष्ठ नष्ट, बसवराजू के नाम पर बना माओवादी स्मारक भी ध्वस्त

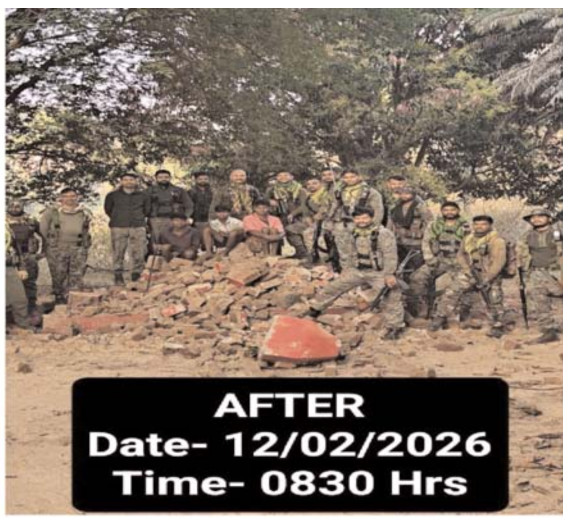

मूक पत्रिका/बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को माओवादियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। डिमाइनिंग के दौरान भारी भरकम आईईडी बरामद कर उसे मौके पर नष्ट किया गया, वहीं जंगलों में बने माओवादी स्मारकों को भी ढहा दिया गया। थाना आवापल्ली क्षेत्र में पुलिस, केरिपु 196 और 170वीं वाहिनी की संयुक्त टीम आवापल्ली-मुरदण्डा मार्ग पर डिमाइनिंग के लिए निकली थी। मुरदण्डा कैंप से करीब तीन किलोमीटर दूर सड़क किनारे गड्ढा बनाकर करीब पांच फीट अंदर और सड़क से दो फीट नीचे दबाया गया लगभग 30 किलो का आईईडी मिला। बताया जा रहा है कि इसे बड़े वाहनों को निशाना बनाने के इरादे से स्विच सिस्टम के जरिए लगाया गया था। विस्फोटक काफी गहराई में था, इसलिए उसे निकालना खतरे से खाली नहीं था। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जवानों ने वहीं उसे नष्ट कर दिया। धमाके से सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया था, जिसे बाद में भरकर यातायात बहाल कर दिया गया। इधर थाना गंगालूर क्षेत्र के एफओबी डोडीतुमनार में केरिपु 153वीं वाहिनी ने डिमाइनिंग के दौरान पांच किलो का प्रेशर आईईडी भी बरामद किया और उसे मौके पर नष्ट कर दिया। थाना कुटरू इलाके में कोबरा 210वीं वाहिनी ने माओवादी विरोधी अभियान के दौरान इंद्रावती नदी किनारे बनाए गए कुख्यात माओवादी कमांडर बसवराजू के स्मारक को ढहा दिया। वहीं गंगालूर थाना क्षेत्र के तोड़का-कोरचोली और पेद्दाकोरमा के घने जंगलों में सर्चिंग के दौरान केरिपु 222वीं वाहिनी ने माओवादियों के अन्य स्मारकों को भी ध्वस्त किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा बलों की सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई। लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से साफ संकेत है कि इलाके में माओवादी गतिविधियों को किसी भी हाल में पनपने नहीं दिया जाएगा।

जगदलपुर में मंदिरों को बनाया जा रहा निशाना, शिव व राम मंदिर से दान पेटी की नकदी पार

मूक पत्रिका/जगदलपुर - शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों मंदिरों में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने शिव मंदिर और राम मंदिर का ताला तोड़कर दान पेटी में रखी नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोर देर रात मंदिर परिसर में घुसे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इससे पूर्व भी क्षेत्र के प्रसिद्ध माता दंतेश्वरी मंदिर (जगदलपुर), मां हिंगलाजिन मंदिर (जैयतगीरी), छिंदगांव स्थित शिव मंदिर एवं राम मंदिर में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। चोर मंदिरों के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश करते हैं और दान पेटियों को क्षतिग्रस्त कर नगदी लेकर भाग जाते हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से श्रद्धालुओं और स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश और भय का माहौल है। लोगों का कहना है कि मंदिर आस्था का केंद्र होते हैं, ऐसे पवित्र स्थलों पर चोरी की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्त बढ़ाने और मंदिरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मंदिरों में सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति एवं सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। लगातार हो रही चोरियों ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

नवागढ़ में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन

मूक पत्रिका/ नवागढ़ - ग्राम पेंड्री गोढ़ी थाना नवागढ़, जिला बेमेतरा निवासी सूर्यदेव घिवरे (पिता सुखदेव घिवरे) एवं टेकचंद टंडन (पिता छेदीलाल टंडन) के साथ मारपीट एवं बंधक बनाए जाने के मामले में आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी नहीं होने से आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पीड़ितों के अनुसार विगत 26 दिसंबर 2025 को नारायण वर्मा, चेतन राजपूत, कुलदीप राजपूत एवं उनके अन्य साथियों द्वारा कथित रूप से जान से मारने की नीयत से करीब तीन घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट की गई तथा जातिगत अपशब्द कहे गए।

घटना की शिकायत नवागढ़ थाना में दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद 28 दिसंबर 2025 को आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया। परंतु अब तक गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उनका आरोप है कि आरोपियों द्वारा लगातार धमकियां दी जा रही हैं, जिससे परिवार भयभीत है। इसी के विरोध में आज समस्त सतनामी समाज एवं अंबेडकर सेना के नेतृत्व में बस स्टैंड नवागढ़ में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि यदि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

गांजा बिक्री करने वाले 02 युवक पर बस्तर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

जगदसपुर। पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने वाले पर, कार्यवाही करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है।

ज्ञात हो कि थाना कोतवाली जगदलपुर को सूचना प्राप्त हुआ था कि दो व्यक्ति गौरव वाटिका के बगल संगम रोड में एक लाल पीला झोला में गांजा बिक्री करने ग्राहक के इंतजार में खड़ा है, कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग एवं नगर पुलिस अधीक्षक अमित देवांगन के पर्यवेक्षण में कार्यवाहक थाना प्रभारी कोतवाली शिवानंद सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर, कार्यवाही हेतु टीम रवाना किया गया था। उक्त टीम के द्वारा गौरव वाटिका संगम रोड पहुंचकर घेराबंदी कर, संदेह के आधार पर बताये हुलिया के दो व्यक्ति लाल पीला झोला रखे मिलने पर उक्त दोनों व्यक्ति को पकड़कर, पूछताछ करने पर अपना नाम अनिल कुमार बघेल पिता मिट्ठू राम बघेल उम्र 30 साल भतरा निवास पनारापारा जगदलपुर

(2) उदय नेताम उर्फ रिंकू पिता बसंत नेताम उम्र 19 साल पता तेतर कूटी जगदलपुर का होना बताया जिनके पास में रखे एक लाल पीला रंग के झोला की तलाशी लेने पर 1 किलो 26 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। जिस संबंध में पूछताछ करने पर गांजा रखने का वैधानिक प्रत्युत्तर नही दिया गया।

अध्यक्ष निधि से स्वीकृत नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

मूक पत्रिका/बेमेतरा - नगर पालिका बेमेतरा के वार्ड क्रमांक 15 में अध्यक्ष निधि से स्वीकृत नाली निर्माण कार्य का बीते दिवस विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद श्रीमती रश्मि फड्डेन्द्र मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

भूमिपूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वार्डवासी शामिल हुए और क्षेत्र के विकास कार्यों के प्रति अपनी सहभागिता एवं समर्थन व्यक्त किया। उपस्थित जनों ने नाली निर्माण कार्य को वार्ड की प्रमुख आवश्यकता बताते हुए नगर पालिका के प्रयासों की सराहना की।

नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने से वार्ड में जल निकासी की समस्या का समाधान होगा, जिससे स्वच्छता व्यवस्था में सुधार आएगा और नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। नगर पालिका ने नगरवासियों को आश्वस्त किया है कि मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे ।

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महा संगठन की आम सभा बैठक सम्पन्न, समस्याओं व भविष्य की रणनीति पर हुई चर्चा

मूक पत्रिका/ बेमेतरा - छत्तीसगढ़ ड्राइवर महा संगठन की आम सभा बैठक 8 फरवरी 2026 को बेमेतरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में जिले सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ड्राइवर साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश एवं राष्ट्रीय सचिव प्रीतम सेन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश शर्मा एवं विकास तम्बोली की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों में हेमलाल देवांगन, राजनांदगांव से अध्यक्ष भैया छात्रधर यादव, बलौदा बाजार से अध्यक्ष सीताराम निषाद, नवागढ़ ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, ड्राइवर महासंगठन अध्यक्ष खान खमरिया तथा बेरला ब्लॉक अध्यक्ष भागचंद कुर्रे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आम सभा में ड्राइवर साथियों की समस्याओं, उनके अधिकारों की रक्षा, संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा भविष्य की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि प्रीतम सेन ने अपने संबोधन में कहा कि ड्राइवर समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और संगठन सदैव ड्राइवर भाइयों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

कार्यक्रम में जिला बेमेतरा के समस्त पदाधिकारी, संगठन के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ड्राइवर सारथी भाई उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन की मजबूती एवं ड्राइवर समाज के हित में एकजुट होकर कार्य करने के संकल्प के साथ किया गया।

सोमनापुर नया में 'परीक्षा पे चर्चा 2026' का सफल आयोजन

मूक पत्रिका/पंडरिया (कबीरधाम) - शासकीय हाई स्कूल सोमनापुर नया, विकासखंड पंडरिया द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 卐परीक्षा पे चर्चा 2026卐 कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन दिखाया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं को तनावमुक्त रहकर तैयारी करने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों को बताया गया कि परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक उत्सव के रूप में लेना चाहिए। साथ ही समय प्रबंधन, याद रखने की तकनीक, करियर चयन, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सकारात्मक सोच के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम में यह भी संदेश दिया गया कि यदि अपेक्षा के अनुरूप अंक प्राप्त न हों तो निराश होने के बजाय शिक्षक और अभिभावकों से संवाद कर आत्मविश्वास बनाए रखें। परीक्षा के तनाव को कम कर पढ़ाई को सरल और रोचक बनाने के लिए विभिन्न सुझाव साझा किए गए।

इस अवसर पर संस्था प्रमुख सहारुद्दीन खान, महेंद्र कुमार कंठले, पवन चांदसे, महेश जायसवाल, कार्तिक राम खूंटे, भगत राम बांधकर एवं श्रीमती मनीषा मार्को सहित विद्यालय परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से विद्यार्थियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ।

परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

बेमेतरा- छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के निर्देशानुसार हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 20 फरवरी से 13 मार्च 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 09:00 बजे से 12:15 बजे तक जिले के 77 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय एवं महाविद्यालयीन परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2026 में प्रस्तावित हैं। परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा 12 फरवरी से 31 मई 2026 तक बेमेतरा जिला सीमा क्षेत्र में तीव्र संगीत, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग, अनावश्यक कोलाहल एवं मोटरयान के विद्युत हार्न के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के तहत प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर रोक रहेगी, जबकि रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। विशेष परिस्थितियों में संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी की अनुमति से धीमी आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जा सकेगा। आदेश जारी होते ही प्रभावशील होगा तथा इसकी सूचना सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित एवं प्रकाशित की जाएगी।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने किया बड़े किलेपाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

जगदलपुर। स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़े किलेपाल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रभागों जैसे बाह्य रोगी विभाग, दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष और भंडार कक्ष का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में चिकित्सकों और पैरामैडिकल स्टाफ की रोस्टर अनुसार डयुटी चार्ट प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने सहित सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र का भी दौरा किया और वहां मौजूद बच्चों के स्वास्थ्य तथा उन्हे दी जा रही पोषण आहार एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने प्रसव कक्ष में व्यवस्था को बेहतर करने सहित विभिन्न बीमारियों की आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से आत्मीय चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि क्षेत्र के कई ग्रामीणों के पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है, जिसकी वजह से उनके आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहे हैं और वे मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी पात्र हितग्राहियों के राशन कार्ड तत्परता से बनाए जाएं, ताकि उन्हें गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु आयुष्मान योजना का सीधा लाभ मिल सके। इसी कड़ी में उन्होंने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति जांचने के उद्देश्य से आभा कार्ड के निर्माण की भी समीक्षा की और अधिकारियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्राम आंवरी में नए पुल का निर्माण जारी

ग्रामीणों को जल्द मिलेगी सुगम आवागमन की सुविधा

कलेक्टर ने पुल निर्माण का निरीक्षण कर जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश

मूक पत्रिका/कोंडागांव। पंचायत आंवरी में कई वर्ष पुराने जर्जर पुल की जगह पर नए पुल का निर्माण कार्य जारी है। गांव के खासपारा और टिपपारा के बीच पुल के बन जाने से ग्राम आंवरी से ग्राम धनोरा तक कई गांव को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने गुरुवार को ग्राम आंवरी के निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया और गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया।

इस दौरान कलेक्टर ने ग्राम आंवरी में शासकीय प्राथमिक शाला, स्वास्थ्य केंद्र और निर्माणाधीन पंचायत भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और साफ सफाई दुरुस्त करने, बेहतर प्रकाश की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था एवं आवश्यक मरम्मत कार्य के निर्देश दिए। साथ ही शासकीय प्राथमिक शाला में शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली और विद्यालय के रख रखाव की सराहना करते हुए विद्यालय परिसर में निर्मित शेड का आवश्यक मरम्मत के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई, एसडीएम सुश्री आकांक्षा नायक, जनपद पंचायत सीईओ श्री अनुराग सिन्हा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

6 बॉल पर 24 रन चाहिए थे, अफगानिस्तान 19 रन ही बना सका

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को डबल सुपर ओवर में हराया

अहमदाबाद। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान को डबल सुपर ओवर में हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में टूर्नामेंट के इतिहास का पहला डबल सुपर ओवर देखने को मिला।

ग्रुप-डी के इस मैच के दूसरे सुपर ओवर में साउथ अफ्रीका ने 6 गेंदों पर 23 रन बनाकर अफगानिस्तान को 24 रन का लक्ष्य दिया। टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान टीम ने दूसरी ही गेंद पर मोहम्मद नबी का विकेट गंवा दिया। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज ने तीसरी, चौथी व पांचवीं गेंद पर लगातार तीन छक्के जड़ दिए, लेकिन आखिरी बॉल पर आउट हो गए। इससे पहले दूसरे सुपर ओवर में ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर ने तीन सिक्स लगाकर साउथ अफ्रीका को 23 रन तक पहुंचाया था।

पहले सुपर ओवर में दोनों टीमों ने 17-17 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के ट्रिस्टन स्टब्स ने फजलहक फारूकी की बॉल पर सिक्स लगाकर स्कोर बराबर किया था।

19.2 बॉल पर नूर अहमद ने सिक्स लगाकर मुकाबला अफगानिस्तान की तरफ मोड़ दिया। अब 4 गेंदों पर 5 रन चाहिए थे। अगली गेंद डॉट रही, लेकिन 19.4 पर फिर नो-बॉल हो गई, जिस पर नूर ने दो रन ले लिए और टीम जीत के बेहद करीब पहुंच गई। इसके बाद आखिरी 3 गेंदों पर सिर्फ 2 रन चाहिए थे।

अगली गेंद पर नूर ने लॉन्ग-ऑफ की तरफ शॉट खेला और आसान दो रन का मौका बन गया, लेकिन यहीं मैच पलट गया। दूसरा रन लेते समय फजलहक फारूकी धीमे पड़ गए। रबाडा ने तेजी से गेंद उठाकर बेल्स उड़ा दीं। रिप्ले में साफ दिखा कि फारूकी का बैट हवा में था, जिसके चलते उन्हें रन-आउट दे दिया गया।

मैच का हाल, दोनों टीमों ने 187-187 रन बनाए

इससे पहले दोनों टीमों के बीच मुकाबला टाई रहा। निर्धारित 20 ओवरों में दोनों ने 187-187 रन बनाए। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी।साउथ अफ्रीका के लिए रायन रिकेल्टन (61) और क्विंटन डी कॉक (59) ने शानदार अर्धशतक जड़े, जबकि डेविड मिलर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 विकेट लिए, राशिद खान को 2 सफलताएं मिलीं, वहीं फजलहक फारूकी ने 1 विकेट हासिल किया। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान के लिए ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने सबसे ज्यादा 84 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका की तरफ से लुंगी एनगिडी ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अफगानिस्तान ने जीता हुआ मैच गंवाया

अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। ओवर की पहली ही गेंद पर कागिसो रबाडा ने नो-बॉल फेंकी। उस पर कैच भी हुआ, लेकिन बल्लेबाज आउट नहीं हुए और फ्री-हिट मिल गई। इसके बाद एक वाइड और फिर फ्री-हिट ने साउथ अफ्रीका पर दबाव बढ़ा दिया।

पहला सुपर ओवर

अफगानिस्तान की पारी

अजमतुल्लाह उमरजई (बैटर), रहमानुल्लाह गुरबाज (बैटर), लुंगी एनगिडी (बॉलर)

पहली बॉल	दूसरी बॉल	तीसरी बॉल	चौथी बॉल	पांचवीं बॉल	छठी बॉल
4 रन	6 रन	1 रन	1 रन	4 रन	1 रन

अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 18 रन का टारगेट दिया।

साउथ अफ्रीका की पारी

डेविड मिलर (बैटर), डेवाल्ड ब्रेविस (बैटर), फजलहक फारूकी (बॉलर)

पहली बॉल	दूसरी बॉल	तीसरी बॉल	चौथी बॉल	पांचवीं बॉल	छठी बॉल
1 रन	6 रन	W (ब्रेविस आउट स्टब्स आए)	4 रन	0 रन	6 रन

पहला सुपर ओवर टाई रहा।

दूसरा सुपर ओवर

साउथ अफ्रीका की पारी

डेविड मिलर (बैटर), ट्रिस्टन स्टब्स (बैटर), अजमतुल्लाह उमरजई (बॉलर)

पहली बॉल	दूसरी बॉल	तीसरी बॉल	चौथी बॉल	पांचवीं बॉल	छठी बॉल
6 रन	1 रन	2 रन	6 रन	6 रन	2 रन

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 24 रन का टारगेट दिया।

अफगानिस्तान की पारी

मोहम्मद नबी (बैटर), अजमतुल्लाह उमरजई (बैटर), केशव महाराज (बॉलर)

पहली बॉल	दूसरी बॉल	तीसरी बॉल	चौथी बॉल	पांचवीं बॉल	छठी बॉल	छठी बॉल
0 रन	W (नबी आउट, गुरबाज आए)	6 रन	6 रन	6 रन	वाइड बॉल	W (गुरबाज आउट)

साउथ अफ्रीका ने दूसरा सुपर ओवर जीतकर मैच जीत लिया है।

ब्रीफ न्यूज

टी20 विश्वकप में नेपाल और इटली का आज होगा मुकाबला

मुंबई। टी20 विश्वकप में गुरुवार को यहां नेपाल की टीम का मुकाबला इटली से होगा। अपने पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 4 रनों से हारी नेपाल की टीम इस मैच को जीतने के इरादे से उतरेगी। जिस प्रकार उसने पहले ही मैच में दो बार विजेता रही इंग्लैंड को टक्कर दी है उससे तय है कि वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। वहीं इटली की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है जबकि नेपाल ने साल 2014 में हांगकांग और अफगानिस्तान को हराया था पर उसके बाद नेपाल एक भी मैच नहीं जीत पाया है। नेपाल तीन अवसरों पर टेस्ट खेलने वाले देशों को हराने के बेहद करीब पहुंचा पर अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह 2024 में दक्षिण अफ्रीका से वह केवल एक रन से और बांग्लादेश से 21 रन से हार गया था। नेपाल के पास कुशल भुर्टेल के रूप में शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाज है, वहीं दीपेंद्र सिंह ऐरी, कप्तान रोहित पौडेल और आरिफ शेख मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करते हैं। लोकेश बाम ने अपने आक्रामक स्ट्रोक प्ले से जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद जैसे कुशल गेंदबाजों को भी पीट दिया। नेपाल को हालांकि कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने बीच के ओवरों में पर्याप्त चौके नहीं लगाए। उन्हें विकेटों के बीच दौड़ में भी सुधार करना होगा।

दूसरी ओर इटली टूर्नामेंट के पहले मैच में स्कॉटलैंड से मिली 73 रन की करारी हार से उबरकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगा। इस मैच के दौरान इटली के कप्तान वेन मैडसेन के कंधे में भी चोट लग गई थी और पूरी संभावना है कि नेपाल के खिलाफ हैरी मैनेंटी टीम की कप्तानी करेंगे। इटली ने स्कॉटलैंड के खिलाफ गेंदबाजी में कई बदलाव किये पर उसे सफलता नहीं मिली। नेपाल के खिलाफ इटली को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

नेपाल : रोहित पौडेल (कप्तान), आरिफ शेख, आसिफ शेख (विकेटकीपर), दीपेंद्र सिंह ऐरी, बसीर अहमद, कुशल भुर्टेल, संदीप जोरा, लोकेश बाम, गुलसन झा, करण केसी, सोमपाल कामी, संदीप लामिछाने, शेर मल्ला, ललित राजबंशी, नंदन यादव।

इटली : वेन मैडसेन (कप्तान), मार्कस कैंपोपियानो, जियान-पिएरो मीडे (विकेटकीपर), एंथोनी मोस्का, जस्टिन मोस्का, सैयद नकवी, हैरी मैनेंटी, जे जे स्मट्स, ग्रांट स्टीवर्ट, अली हसन, थॉमस ड्रेका, जसप्रीत सिंह, क्रिशन कलुगामागे, बेन मैनेंटी, जैन अली।

टी-20 वर्ल्डकप- ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से हराया

जम्पा और एलिस ने 4-4 विकेट झटके, स्टोयनिस ने 45 रन बनाए

कोलंबो। ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली जीत हासिल कर ली है। टीम ने 14वें मैच में आयरलैंड को 67 रनों से हराया। बुधवार को कोलंबो में खेले गए ग्रुप-बी के इस मैच में कंगारुओं ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी।

कंगारुओं ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए। जवाबी पारी में आयरलैंड ने 16.5 ओवर में 9 विकेट पर 115 रन ही बना सकी। नाथन एलिस और एडम जम्पा ने 4-4 विकेट झटके। एक विकेट मैथ्यू कुहनेमन को मिला। कप्तान पॉल स्टर्लिंग पहली बॉल पर रिटायर हर्ट हो गए हैं। वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे।

जॉर्ज डॉकरेल ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। लोरकन टकर ने 24 रन का योगदान दिया। शेष बैटर्स खास प्रदर्शन नहीं कर सके।

ऑस्ट्रेलिया ने 67 रन की जीत हासिल की

एलिस को चौथा विकेट, मैकार्थी आउट ; AUS जीता 17वें ओवर की 5वीं बॉल पर नॉथन एलिस ने बैरी मैकॉर्थी को कैमरन ग्रीन के हाथों कैच कराया। उन्हें चौथा विकेट मिला है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 67 रनों से जीत लिया है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्कस स्टोयनिस ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। जोश इंग्लिस और मैट रैनशॉ ने 37-37 रन बनाए। आयरलैंड की ओर से मार्क अडायर ने 2 विकेट झटके। मैथ्यू हम्फ्रीज, जॉर्ज डॉकरेल और हैरी टेक्टर ने एक-एक विकेट लिए।

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

भारत अंतिम ग्यारह

सूर्यकुमार यादव (कप्तान),इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

नामीबिया के खिलाफ अभिषेक का खेलना मुश्किल

नईदिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ मैच में खेलना मुश्किल है। वह मंगलवार को दिल्ली में हुए प्रैक्टिस सेशन में भाग नहीं लिए। सहायक कोच टेन डेशकाटे ने बताया कि अभिषेक पेट की समस्या से जूझ रहे हैं। मैच से पहले तय हो गया कि वह खेल पाएंगे या नहीं।

पेट की समस्या से जूझ रहे

बुमराह की वापसी तय

इस बीच जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर राहत भरी खबर आई है। टेन डेशकाटे ने बताया कि बुमराह ने करीब 10 दिन बाद गेंदबाजी शुरू की है। वे पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं और उनकी मूवमेंट में भी सुधार दिखा है।

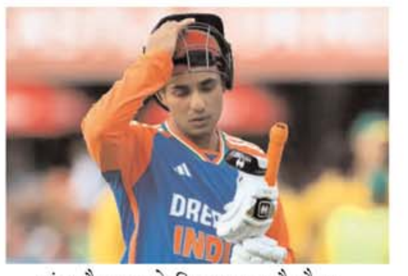

संजू सैमसन को मिल सकता है मौका

मैच से दो दिन पहले हुए अभ्यास सत्र में भारत ने संभावित प्लेइंग इलेवन क्रम के हिसाब से बल्लेबाजी कराई। फ्लडलाइट्स में ईशान किशन सबसे पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे और उनके साथ संजू सैमसन ने पेस बॉलिंग नेट्स में अभ्यास किया।

टी20 विश्व कप में आज ओमान पर जीत के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

पल्लीकल। श्रीलंका की टीम विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर ओमान के खिलाफ जीत हासिल करने उतरेगी। इस मैच में उसे ओमान से सावधान रहना होगा। मेजबान बल्लेबाजों को बीच के ओवरों में अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। इस मैच में स्पिनर वानिंदु हसरंगा के बाहर होने से भी टीम के अन्य गेंदबाजों पर अधिक दबाव रहेगा। होगी।हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। श्रीलंका को पहले ही मैच में आयरलैंड के खिलाफ 20 रन की जीत के लिए काफी प्रयास करना पड़ा था।

वहीं कुसल मेंडिस ने भी अर्धशतक लगाया। टीम को सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और कामिल मिशारा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अब तक रन नहीं बना पाये हैं। शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, डुनिथ वेललागे, महेश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, प्रमोद मदुशन, दुशान हेमंथा।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावाले, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफियान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल, शकील अहमद, मोहम्मद नदीम, जय ओडेदरा, आशीष ओडेदरा, शफीक जान।

मिलान में विंटर ओलंपिक खेलों में स्पीड स्केटिंग मिक्स्ड रिले में जीत के बाद जश्न मनाते हुए।

गुडाकेश मोती ने 3 विकेट झटके; रदरफोर्ड ने नाबाद 76 रन बनाए

वेस्टइंडीज की लगातार दूसरी जीत, इंग्लैंड 30 रन से हारा

मुंबई। वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने इंग्लैंड को ग्रुप सी के मैच में 30 रन से हराया। कैरेबियाई टीम इस टूर्नामेंट में 10 साल बाद इंग्लैंड को हरा सकी है। उसे आखिरी जीत 2016 वर्ल्ड कप के फाइनल में मिली थी। जब कॉर्लोस ब्रेथवेट ने बेन स्टोक्स की आखिरी ओवर में लगातार 4 छक्के मारकर जिताया था।

गुडाकेश मोती ने 3 विकेट झटके

बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 197 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम 18.5 ओवर में 166 रन पर ऑलआउट हो गई। सैम करन ने नाबाद 43 रन बनाए। जैकब बेथेल ने 33 रन और फिल सॉल्ट ने 30 रन बनाए। गुडाकेश मोती ने 3 विकेट झटके। दो विकेट रोस्टन चेज को मिले। अकील हुसैन, रोमारियो शेफर्ड और शमार जोसेफ ने एक-एक विकेट लिया। 2 बैटर्स रनआउट हुए।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही वेस्टइंडीज

6 विकेट खोकर 196 रन बनाए। शेरफन रदरफोर्ड ने 7 छक्के लगाकर 76 रन बनाए। आदिल रशीद और जैमी ओवरटन ने 2-2 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर और सैम करन को एक-एक विकेट मिला। 15वें मैच का स्कोरबोर्ड इंग्लैंड ने 9वां विकेट गंवाया, डॉसन रनआउट 19वें ओवर में इंग्लैंड ने 9वां विकेट गंवाया। तीसरी बॉल पर लियम डॉसन एक रन बनाकर रनआउट हो गए। अगली बॉल पर सैम करन ने चौका लगाया। अब इंग्लैंड की आखिरी जोड़ी क्रीज पर हैं। जोफ्रा आर्चर रन आउट हुए, इंग्लैंड को 9वां झटका

18वें ओवर की दूसरी बॉल पर इंग्लैंड ने 9वां विकेट गंवाया। यहां पर जोफ्रा आर्चर रनआउट हो गए। उन्होंने 6 रन बनाए।

अवैध ईंट भट्ठों पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, 5.85 लाख ईंटें व ट्रैक्टर जब्त

कुसमी में एसडीएम करुण डहरिया की सख्त कार्रवाई, बिना अनुमति संचालित भट्ठों पर चला प्रशासन का कार्यवाही

बलरामपुर/मूक पत्रिका

जिले में अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों के विरुद्ध प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 5 लाख 85 हजार अवैध ईंटें, भण्डारित अवैध कोयला एवं 3 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। यह कार्रवाई कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में विकासखण्ड राजपुर, शंकरगढ़ एवं कुसमी में संयुक्त रूप से की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी राजपुर देवेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में नायब तहसीलदार बरियों एवं माइनिंग विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम भदार में संचालित अवैध ईंट भट्ठे पर छापेमारी की। जांच में पाया गया कि भट्ठा बिना वैधानिक अनुमति के संचालित हो रहा था। टीम ने भट्ठा संचालक नीरज यादव के लगभग 70 हजार तैयार ईंट जब्त किए।इसी ग्राम भदार में अमितेष गुप्ता के पास से 1 लाख 20 हजार ईंट, तथा ग्राम पेंडारी में अमित गुप्ता के पास से 2 लाख ईंट, अवैध कोयला एवं 1 ट्रैक्टर जब्त किया गया।

कुसमी में एसडीएम करुण डहरिया की अगुवाई में बड़ी कार्रवाई

अनुविभागीय अधिकारी कुसमी श्री करुण डहरिया के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मदगुरी के ग्राम कर्राडांड में बनवारी गिरी द्वारा अवैध रूप से स्थापित ईंट भट्ठे पर कार्रवाई की गई। जांच के दौरान संचालन हेतु आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर लगभग 1 लाख 20 हजार निर्मित ईंट जब्त किए गए।

शंकरगढ़ में भी प्रशासन सख्त

अनुविभागीय अधिकारी शंकरगढ़ श्री विवेक अनमोल टोप्पो के नेतृत्व में ग्राम महुआडीह में राजदेव द्वारा संचालित अवैध ईंट भट्ठे पर कार्रवाई की गई, जहां से लगभग 75 हजार ईंट जब्त किए गए।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आगाज़, 28 गांवों की टीमें ले रहीं हिस्सा

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। मिनी स्टेडियम में गुरुवार से जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। ग्रामीण युवाओं को खेल का मंच देने और उनकी प्रतिभा निखारने के मकसद से आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिलेभर की टीमें दमखम दिखा रही हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य मैथ्यूज कुजूर, कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे और जिला खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल ने किया। उद्घाटन के दौरान स्टेडियम में खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में खेलप्रेमी भी मौजूद रहे, जिससे माहौल उत्साह से भरा नजर आया।

प्रतियोगिता में जिले के 28 गांवों की ग्राम पंचायत टीमें भाग ले रही हैं। आयोजकों ने विजेता टीम को 51 हजार रुपये और ट्रॉफी, दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 21 हजार रुपये तथा तीसरे स्थान की टीम को 11 हजार रुपये और ट्रॉफी देने की घोषणा की है।

शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी अलग से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता की एक और खास बात यह है कि यहां से चुनी जाने वाली जिले की टॉप चार टीमें 18 से 20 फरवरी तक होने वाले ऑल इंडिया टूर्नामेंट में सीधे खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा। स्टेडियम में चल रहे मुकाबले खेल भावना और अनुशासन की मिसाल पेश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऐसे आयोजन न सिर्फ युवाओं को आगे बढ़ने का मौका देते हैं, बल्कि जिले में खेलों के प्रति माहौल भी मजबूत करते हैं।

बाईपास के बावजूद शहर में दौड़ रहे भारी वाहन, घरघोड़ा में नियमों की अनदेखी'

रायगढ़/मूक पत्रिका

नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के बावजूद ट्रक, डंपर और ट्रेलर बेधड़क शहर के भीतर से गुजर रहे हैं। शहर के प्रवेश मार्ग पर प्रतिबंध संबंधी बोर्ड लगा हुआ है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका पालन होता नजर नहीं आ रहा।स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह लगभग 4 बजे से ही भारी वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाती है। उस समय सड़कों पर ट्रकों की आवाज और कंपन साफ महसूस किया जा सकता है। नागरिकों का कहना है कि इससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।गौरतलब है कि भारी वाहनों के लिए बाईपास मार्ग का निर्माण किया गया है, ताकि शहर की मुख्य सड़कों पर दबाव कम हो और आम जनता को सुरक्षित आवागमन मिल सके। बावजूद इसके कई वाहन चालक सीधे शहर के बीचों-बीच से गुजरना ही आसान समझ रहे हैं।स्थानीय निवासियों का कहना है कि स्कूल जाने वाले बच्चे, मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले बुजुर्ग और बाजार जाने वाले लोग भारी वाहनों की वजह से जोखिम में रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए और उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की जाए। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस पर क्या कदम उठाता है।

हिरोली में सीआरपीएफका सिविक एक्शन कार्यक्रम, 150 से अधिक ग्रामीणों को मिला लाभ

बीजापुर/मूक पत्रिका

नक्सल प्रभावित क्षेत्र हिरोली में तैनात 85वीं बटालियन सीआरपीएफ ने गुरुवार को सिविक एक्शन प्रोग्राम और निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई। कमांडेंट सुनील कुमार राही के मार्गदर्शन और उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उन्हें शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में हिरोली सहित आसपास के पटेलपारा, सरपंचपारा, नुल्लीपारा, मर्रेपारा और गायतापारा के 150 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों को दैनिक उपयोग की घरेलू सामग्री, कृषि उपकरण और अन्य आवश्यक सामान वितरित किए गए। साथ ही बटालियन के चिकित्साधिकारी ने चिकित्सा शिविर लगाकर बीमार ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक दवाइयों के साथ विटामिन संबंधी टॉनिक भी प्रदान किए। ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सीधा लाभ मिलता है। कार्यक्रम के जरिए ग्रामीणों को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर संचालित विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि वे मुख्यधारा से जुड़कर इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।कमांडेंट सुनील कुमार राही ने बताया कि बीजापुर में तैनाती के बाद से 85वीं बटालियन आम जनता के हित में लगातार कार्य कर रही है। समय-समय पर सामग्री वितरण और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों तक सहायता पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच विश्वास मजबूत होगा तथा ग्रामीण विकास गतिविधियों में अधिक भागीदारी निभाएंगे। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी पवन कुमार, सहायक कमांडेंट काशीराव श्रीराम, हेमंत भट्ट और शुभम सिंह परिहार, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार, अन्य अधिकारी व जवान, ग्राम पंचायत सचिव कमला सकोरकर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वनाग्नि से सुरक्षा हेतु वनमंडल स्तरीय कार्यशाला संपन्न

कांकेर/मूक पत्रिका

वन काष्ठागार सिंगारभाट में वनों को अग्नि से सुरक्षा एवं रखरखाव के उद्देश्य से वनमंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य वन संरक्षक कांकेर वृत्त एवं वनमंडलाधिकारी कांकेर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वनाग्नि से बचाव, त्वरित नियंत्रण एवं निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी ग्रीष्म ॠतु में विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है, जिससे वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम में उपवनमंडलाधिकारी कांकेर/कोरर, परिक्षेत्र अधिकारी कांकेर, सरोना, नरहरपुर, चारामा, कोरर सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वन काष्ठागार सिंगारभाट में आयोजित वनाग्नि सुरक्षा कार्यशाला में दीप प्रज्वलित करते अधिकारीगण।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 16 एवं 17 फ़रवरी को लाइवलीहुड कॉलेज जगदलपुर में

कांकेर/मूक पत्रिका

कौशल विकास तकनीकी एवं रोजगार विभाग द्वारा 16 एवं 17 फ़रवरी को प्रातः 11 बजे से सायं 04 बजे तक शासकीय लाईवलीहुड कॉलेज आड़ावाल जगदलपुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी के लगभग 1502 पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी बी. आर. ठाकुर ने बताया कि संभाग स्तरीय रोजगार मेला में इच्छुक आवेदकां का साक्षात्कार 16 एवं 17 फ़रवरी सोमवार व मंगलवार निर्धारित है। जो आवेदक रोजगार मेला हेतु पूर्व में पंजीयन नहीं किया है वे पोर्टल erojgar.cg.gov.in पर अपना ऑनलाइन आवेदन कर रिक्त पदां की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आवेदक अपने समस्त दस्तावेज जीवित पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड, अनुभव प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट साईज फोटो, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की मूल एवं छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि पर रोजगार मेला स्थल में अपनी उपस्थिति दे सकते हैं। इस संबंध मे विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक अपने जिला रोजगार कार्यालय, नजदीकी आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं लाईवलीहुड कॉलेज से प्राप्त किया जा सकता है।

कलेक्टर कार्यालय में जनदर्शन अब प्रत्येक सोमवार को

कांकेर/मूक पत्रिका

कलेक्टर कार्यालय में अब प्रत्येक सोमवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 02 बजे तक जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले की आम जनता कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्या, शिकायत व मांग से संबंधी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे पहले यह जनदर्शन प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जाती थी, जिसमें संशोधन किया गया है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

नन्हें भविष्य के हाथों में जल सुरक्षा की सौगात' – बुदेली आंगनबाड़ी में जेंडर सखी संतोषी रात्रे की सराहनीय पहल

बरमकेला/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बुदेली स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में एक प्रेरणादायी और संदेशपूर्ण पहल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। जेंडर सखी संतोषी रात्रे ने गर्मी की दस्तक के साथ ही बच्चों को पानी की बोतल वितरण कर न केवल उनकी सेहत की चिंता दिखाई, बल्कि ÷जल ही जीवन है÷ का सशक्त संदेश भी दिया।तेज होती गर्मी के बीच बच्चों को स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी सोच का परिचायक है। संतोषी रात्रे की इस पहल से बच्चों में आंगनबाड़ी आने का उत्साह बढ़ा है। गांवभर में उनके इस सराहनीय कदम की चर्चा हो रही है।इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ज्योति चौहान ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। वे निरंतर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और स्वच्छता की आदत विकसित कराने में जुटी हुई हैं। कार्यक्रम में साहिका उत्तरा चौहान एवं मितानिन खेमलता साहू की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गरिमा प्रदान की। जेंडर सखी संतोषी रात्रे ने कहा ÷बच्चे हमारे आने वाले कल की नींव हैं। गर्मी के मौसम में उन्हें पर्याप्त पानी मिले, यह हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। मेरा प्रयास है कि हर बच्चा स्वस्थ रहे, नियमित आंगनबाड़ी आए और पढ़ाई में आगे बढ़े। जल संरक्षण और पानी पीने की सही आदत बचपन से ही डालनी होगी।÷कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफझलक रही थी। पानी की बोतल पाकर वे बेहद उत्साहित नजर आए। यह पहल केवल वितरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और जागरूकता का संदेश भी साथ लेकर आई। बुदेली की इस सकारात्मक पहल ने यह साबित कर दिया कि जब समाज की महिलाएं नेतृत्व संभालती हैं, तो बदलाव की नई इबारत लिखी जाती है।

बोर्ड परीक्षा परिणाम के बाद कटाईपाली सी के विद्यार्थियों के लिए टी आर एन एनर्जी आयोजित करेगा अभिनंदन समारोह - वायुनन्दन पांडे

बरमकेला/मूक पत्रिका

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटाईपाली सी के विद्यार्थी यह न समझें की आज आपका इस विद्यालय से विदाई हो रहा है आपके परीक्षा परिणाम के बाद हमारा टी आर एन एनर्जी आप लोगों के लिए इसी विद्यालय प्रांगण में अभिनंदन समारोह और भोज का आयोजन करेगा। जिसमें हम आपके भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा करेंगे और आपकी क्षमता और संसाधनों पर भी चिंतन कर राह निकलेंगे यह उदगार विद्यालय में आयोजित विदाई समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों को समबोधित करते हुए मुख्य अतिथि की आसंदी से वायुनन्दन पांडे विभागाध्यक्ष सुरक्षा एवं प्रशासन टी आर एन एनर्जी भेंगारी ने कहा । आगे उन्होंने बच्चों को कहा कि आप जितना भी आगे बढ़ें किन्तु अपने संस्कार को न छोड़े और शिक्षकों को न भूले उन्होंने बहुत ही सारगर्भित बातों से बच्चों के मनोबल को बढ़ाया उनके उद्बोधन से बच्चों को ऐसा लगा जैसे उन्हें एक नया पालक मिल गया हो। संस्था प्राचार्य श्रीमती नीलिमा तंबोली ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए परीक्षा पे बेहतर परिणाम लाने हेतु लगन से पढ़ने और अनुशासित परीक्षा देने हेतु प्रेरित की। संस्थान के राजीव गुप्ता ने जीवन में शिक्षा और संस्कार का महत्व पर रोचक व सारगर्भित उदाहरण के माध्यम से बच्चो को मोटीवेट किया। अपनी कमजोरी को ताकत बनाने के लिए भी काई लोगों का उदाहरण प्रस्तुत किया। कक्षा 12 वी के विद्यार्थियों ने विद्यालय के साथ गुजारे पलो को याद किया विद्यालय को शिक्षा और संस्कार को अदभुत बताया। शिक्षकों के अपना पन को अविस्मरणीय बताया। बड़ी भावुकता और आत्मीय वातावरण में विदाई समारोह संपन्न हुआ। विद्यालय के समस्त स्टाफ और विद्यार्थी गण कार्यक्रम में पूरी सहभागिता के साथ उपस्थित थे।

होली से पहले किसानों के आंगन में बरसेगा खुशियों का गुलाल : ठाकुर

मोदी की गारंटी और साय-सरकार का संकल्प पूरा होने पर किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्ञापित की कृतज्ञता

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने राज्य के लाखों किसानों को होली पर्व से पहले धान की अंतर राशि (3100 रुपये प्रति क्विंटल के मान से) का एकमुश्त भुगतान करने के फैसले को ऐतिहासिक और किसान हितैषी बताया है।भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ठाकुर ने कहा कि कैबिनेट के निर्णय अनुसार, राज्य के 25 लाख 24 हजार 339 किसानों को होली के पावन पर्व से पहले अंतर की राशि का भुगतान किया जाएगा। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में प्रदेश में रिकॉर्ड 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। श्री ठाकुर ने कहा कि सरकार केवल धान नहीं खरीद रही, बल्कि किसानों के पसीने की एक-एक बूंद की कीमत चुकाकर उनके पुरुषार्थ का सम्मान कर रही है। ?मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रदेश का 'अन्नदाता' ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। होली से पहले एकमुश्त भुगतान का निर्णय किसानों के जीवन में न केवल आर्थिक संबल लाएगा, बल्कि उनके उत्सव के उल्लास को दोगुना कर देगा।

मुख्यमंत्री का यह कथन कि ÷किसानों की मुस्कान ही सरकार की सबसे बड़ी पूंजी है÷, भाजपा की सेवा भावना को दर्शाता है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ठाकुर ने कहा किपिछली सरकारों के विपरीत, साय सरकार ने किसानों को किस्तों के इंतजार से मुक्ति दिलाकर 3100 रुपये प्रति क्विंटल का वादा निभाकर अपनी विश्वसनीयता पर मुहर लगाई है। भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट का आभार व्यक्त करता है। यह कदम छत्तीसगढ़ को 'कृषि प्रधान' से 'कृषि समृद्ध' राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।